## अध्ययन मण्डल की 18वीं बैठक
## दिनांक 25/05/2021
## कार्यवृत्त

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन मण्डल की 18वीं बैठक दिनांक : 25 /05 /2021 को 11.30 को सम्पन्न हुई । यह बैठक वैश्विक आपदा (कोविड-9) और भारत सरकार के निर्देश **'वर्क फ्राम होम'** की अनुपालना के मद्देनजर 'ऑन लाइन' आयोजित की गई थी। अध्ययन मण्डल की ऑनलाइन बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित हुए-

1. प्रो प्रेम आनंद मिश्र (बाह्य विशेषज्ञ)
2. डॉ . जुगल किशोर दधीच (बाह्य विशेषज्ञ)
3. डॉ मनोज कुमार राय (अध्यक्ष)
4. प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी (सदस्य)
5. डॉ. डी. एन. प्रसाद (सदस्य)
6. डॉ राकेश कुमार मिश्र (सदस्य)
7. डॉ चित्रा माली (सदस्य)
8. डॉ मनहर चरण (सदस्य,भूतपूर्व विद्यार्थी )

**बैठक में निम्न विषयों पर निर्णय लिए गए**

**मुद्दा क्रमांक 1.**गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग में शोध हेतु सीटें रिक्त हैं। यूजीसी के निर्देशानुसार रिक्त सीटों का विज्ञापन किया जाना जरूरी है। विज्ञापन हेतु प्रस्ताव प्रस्तावित है।

**निर्णयः स्वीकृत किया गया।**

**मुद्दा क्रमांक 2.** स्नातक स्तर पर गांधी एवं शांति अध्ययन विषय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने के संदर्भ में चर्चा।

**निर्णयः स्वीकृत किया गया।**

**मुद्दा क्रमांक 3.** पीएच.डी. शोधार्थियों का पूर्व प्रस्तुति सेमिनार के आवेदन प्राप्त हुआ है।

| क्र.सं. | शोधार्थियों का नाम | सत्र | विषय | शोध-निर्देशक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | अरुण कुमार | 2016-17 | झारखण्ड में विकास और विस्थापन विशेष संदर्भ: कोयलकारोंजलविद्युत परियोजना विरोधी (राचीगुमला और सिंहभूम जिले के) आदिवासी प्रतिरोध आंदोलन का अवलोकनात्मक अध्ययन | डॉ. राकेश कु मिश्र |
| 2 | सुजित वनकर | 2016-17 | अभिधम्म में शांति चेतना: एक मनो विश्लेषणात्मक अध्ययन | डॉ. चित्रा माली |
| 3 | सुनील राम | 2016-17 | मध्यकालीन भारत में युद्ध और शांति की नीतियाँ (विशेष संदर्भ: दिल्लीसल्तनत) | डॉ. राकेश कु मिश्र |
| 4 | संगीता | 2018-19 | भारतीय अध्यात्म परंपरा में ध्यान:वर्तमान में प्रासंगिकता | डॉ. डी. एन. प्रसाद |

**निर्णयः स्वीकृत किया गया।**

Scanned with CamScanner

मुद्दा क्रमांक 4. सत्र: 2016-17 के शोधार्थियों(पीएच.डी.) आशीष कुमार के द्वितीय शोध अवधि विस्तार (6 माह ) पर निर्णय।

**निर्णय: 6+6 महीने अवधि विस्तार पर स्वीकृति प्रदान की गई।**

मुद्दा क्रमांक 5.सत्र: 2021-22 में प्रवेश पाये हुए शोधार्थियों (पीएच.डी.) के विषय-निर्धारण और शोध-निर्देशक तय करने पर चर्चा प्रस्तावित है।

**निर्णय: स्वीकृत किया गया।**

मुद्दा क्रमांक . 6. DMRC द्वारा संस्तुत एम. फिल. एवं पी-एच.डी. शोधार्थियों के शोध का प्रगति विवरण संज्ञानार्थ प्रस्तुत।

**पी-एच.डी. सत्र: 2016-17**

| क्रमांक | शोधार्थियों का नाम | शिर्षक | शोध-निर्देशक | वर्तमान स्थिति | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रदीप कुमार मिश्रा | वैदिक दर्शन में पर्यावरण की अवधारणा | डॉ. चित्रा माली | लेखन जारी है | |
| 2 | सुजित वनकर | अभिधम्म में शांति चेतना: एक मनो विश्लेषणात्मक अध्ययन | डॉ. चित्रा माली | पूर्व प्रस्तुति हेतु तैयार | |
| 3 | आशीष कुमार | वैकल्पिक विकास में जैविक कृषि की भुमिका: एक विश्लेषणात्मकअध्ययन | डॉ. चित्रा माली | लेखन जारी है | |
| 4 | सुनील राम | मध्यकालीन भारत में युद्ध और शांति की नीतियाँ (विशेष संदर्भ: दिल्लीसल्तनत) | डॉ. राकेश कु मिश्र | पूर्व प्रस्तुति हेतु तैयार | |
| 5 | अरुण कुमार | झारखण्ड में विकास और विस्थापन विशेष संदर्भ: कोयलकारोंजलविद्युत परियोजना विरोधी (राचीगुमला और सिंहभूम जिले के) आदिवासी प्रतिरोध आंदोलन का अवलोकनात्मकअध्ययन | डॉ. राकेश कु मिश्र | पूर्व प्रस्तुति हेतु तैयार | |

**पी-एच.डी. सत्र 2017-18**

| क्रमांक | शोधार्थियों का नाम | शिर्षक | शोध-निर्देशक | वर्तमान स्थिति | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | देवेन्द्र मौर्य | ग्रामीण विकास पर सूक्ष्म वित्त योजनाओं का प्रभाव विशेष सन्दर्भ:अम्बेडकर नगर, (उ.प्र.) | डॉ. मनोज कुमार राय | लेखन जारी है | |
| 2 | रोहित शर्मा | 'जम्मू व कश्मीर में शांति की चुनौतियाँ एवं स्थानीय जीवन पर प्रभाव' (जम्मू संभाग के विशेष संदर्भ में) | डॉ. मनोज कुमार राय | आंकड़ा संग्रह के लिए क्षेत्र | |

Scanned with CamScanner

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 3 | निशा राय | लोकबंधुराजनारायण:सत्याग्रह सिद्धांत की पृष्ठभूमि एवं जनसंघर्ष | डॉ.मनोज कुमार राय | लेखन जारी है | |
| 4 | प्रिंस कुमार सिंह | सेवाग्राम आश्रम में गांधी काल के अन्त : वासियों का आश्रम के बाद का सामाजिक जीवन | डॉ. राकेश मिश्र | | |
| 5 | सुमित कुमार गुप्ता | गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति नई दिल्ली द्वारा 2009से 2019 तक संचालित कार्यक्रमों का अध्ययन | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | लेखन जारी है | |
| 6 | मनीषा सुरेन्द्रखरालकर | वर्धा जिले में पंचायती राज व्यवस्था में निर्वाचित महिला सदस्यों की भूमिका निष्पादन का अध्ययन | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | लेखन जारी है | |
| 7 | अश्विनी कृष्णरावराऊत | 'नागपुर महानगर पालिक के वर्ष 2014 से 2019 तक कल्याणकारी योजनाओं का समीक्षात्मकअध्ययन' | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | लेखन जारी है | |
| 8 | संगीता | भारतीय अध्यात्म परंपरा में ध्यान : वर्तमान में प्रासंगिकता | डॉ. डी. एन. प्रसाद | पूर्व प्रस्तुति हेतु तैयार | |

| क्र.सं. | शोधार्थियों का नाम | शिर्षक |
|---|---|---|
| 1 | सुमन्त कुमार मिश्रा | " जमनालाल बजाज का सामाजिक एवं राजनीतिक चिन्तन है" |

**निर्णय: संज्ञान में लिया गया। ।**

धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत बैठक संपन्न हुई।

प्रो प्रेम आनंद मिश्र (बाह्य विशेषज्ञ)

डॉ . जुगल किशोर दधीच (बाह्य विशेषज्ञ)

प्रो नृपेन्द्र प्रसाद मोदी (अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ )

डॉ मनोज कुमार राय (विभागाध्यक्ष)

डॉ डी एन प्रसाद ( संदस्य)

डॉ राकेश कुमार मिश्र (संदस्य)

डॉ चित्रा माली (सदस्य)

डॉ मनहर चरण (भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि)

Scanned with CamScanner

**गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग**
**अध्ययन मण्डल की 17वीं बैठक**
**दिनांक 28/10/2020**

# कार्यवृत्त

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन मण्डल की 17वीं बैठक दिनांक : 28 /10 /2020 को 11.00 को सम्पन्न हुई। यह बैठक वैश्विक आपदा (कोविड-9) और भारत सरकार के निर्देश **'वर्क फ्राम होम'** की अनुपालना के मद्देनजर 'ऑन लाइन' आयोजित की गई थी। अध्ययन मण्डल की ऑनलाइन बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित हुए-

1. प्रो राम प्रकाश द्विवेदी (बाह्य विशेषज्ञ)
2. प्रो. वी के राय (बाह्य विशेषज्ञ)
3. डॉ मनोज कुमार राय (अध्यक्ष)
4. प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी (अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ)
5. डॉ. डी. एन. प्रसाद (सदस्य)
6. डॉ राकेश कुमार मिश्र (सदस्य)
7. डॉ चित्रा माली (सदस्य)
8. डॉ मनहर चरण (सदस्य,भूतपूर्व विद्यार्थी )

**बैठक में निम्न विषयों पर निर्णय लिए गए-**

**मुद्दा क्रमांक 1.** गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को 78 क्रेडिट किये जाने के संबंध में चर्चा प्रस्तावित है।

**निर्णय: समिति ने स्वीकृती प्रदान की।**

**मुद्दा क्रमांक 2.** LOCF को अधिकृत करते हुए स्वीकार किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रस्तुत।

**निर्णय: समिति ने स्वीकृती प्रदान की।**

**मुद्दा क्रमांक 3.** DMRC द्वारा संस्तुत एम.फिल. एवं पी-एच.डी. शोधार्थियों के शोध का प्रगति विवरण संज्ञानार्थ प्रस्तुत।

**पी-एच.डी. सत्र: 2016-17**

| क्रमांक | शोधार्थियों का नाम | शिर्षक | शोध-निर्देशक | तिथि | समय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रदीप कुमार मिश्रा | वैदिक दर्शन में पर्यावरण की अवधारणा | डॉ. चित्रा माली | 22.10.2020 | 02 बजे से |
| 2 | सुजित वनकर | अभिधम्म में शांति चेतना: एक मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन अध्ययन | डॉ. चित्रा माली | | |

Scanned with CamScanner

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 3 | आशीष कुमार | वैकल्पिक विकास में जैविक कृषि की भुमिका: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन | डॉ. चित्रा माली | | |
| 4 | सुनील राम | मध्यकालीन भारत में युद्ध और शांति की नीतियाँ (विशेष संदर्भ: दिल्ली सल्तनत) | डॉ. राकेश कु मिश्र | | |
| 5 | अरुण कुमार | झारखण्ड में विकास और विस्थापन विशेष संदर्भ: कोयलकारों जलविद्युत परियोजना विरोधी (राची गुमला और सिंहभूम जिले के) आदिवासी प्रतिरोध आंदोलन का अवलोकनात्मक अध्ययन | डॉ. राकेश कु मिश्र | | |

**पी-एच.डी. सत्र 2017-18**

| क्रमांक | शोधार्थियों का नाम | शिर्षक | शोध-निर्देशक | तिथि | स |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | देवेन्द्र मौर्य | ग्रामीण विकास पर सूक्ष्म वित्त योजनाओं का प्रभाव विशेष सन्दर्भः अम्बेडकर नगर, (उ.प्र.) | डॉ. मनोज कुमार राय | 23.10.2020 | 02 बजे |
| 2 | रोहित शर्मा | 'जम्मू व कश्मीर में शांति की चुनौतियाँ एवं स्थानीय जीवन पर प्रभाव' (जम्मू संभाग के विशेष संदर्भ में) | डॉ. मनोज कुमार राय | | |
| 3 | निशा राय | लोकबंधु राजनारायण : सत्याग्रह सिद्धांत की पृष्ठभूमि एवं जनसंघर्ष | डॉ.मनोज कुमार राय | | |
| 4 | प्रिंस कुमार सिंह | सेवाग्राम आश्रम में गांधी काल के अन्त : वासियों का आश्रम के बाद का सामाजिक जीवन | डॉ. राकेश मिश्र | | |
| 5 | सुमीत कुमार गुप्ता | भारतीय राष्ट्रवाद में दलित विमर्श | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | 24.10.2020 | 02 बजे |
| 6 | मनीषा सुरेन्द्र खरालकर | वर्धा जिले के पंचायती राज व्यवस्था में निर्वाचित महिला सदस्यों की भूमिका निष्पादन का अध्ययन | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | | |
| 7 | अश्विनी कृष्णराव राऊत | 'नागपुर महानगर पालिक के वर्ष 2014 से 2019 तक कल्याणकारी योजनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन' | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | | |
| 8 | संगीता | भारतीय अध्यात्म परंपरा में ध्यान : वर्तमान में प्रासंगिकता | डॉ. डी. एन. प्रसाद | | |

पी-एच.डी. सत्र 2019-20

| पी-एच.डी. सत्र 2019-20 | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | सुमन्त कुमार मिश्रा | | | | |

सुनील राम और सुमंत कुमार मिश्र उपस्थित नहीं हो पाये।

**एम.फिल. सत्र: 2018-19**

| क्र.सं. | शोधार्थियों का नाम | विषय | शोध निर्देशक | तिथि | समय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | महेश किष्टय्या दुर्गम | आदिवासियों के सामाजिक जीवन पर गांधीजी के रचनात्मक कार्यक्रम का प्रभाव (विशेष संदर्भ : गडचिरोली जिले के सिरोंचा तहसील) | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | 25.10.2020 | 02 बजे से |
| 2 | संजीव किष्टय्या दुर्गम | महात्मा गाँधी और डॉ अम्बेडकर के वर्ण व्यवस्था संबंधित विचारों का अध्ययन | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | | |
| 3 | शुभम जायसवाल | 21वीं सदीं में भारतीय मुसलमानों में मत व्यवहार का अध्ययन (विशेष संदर्भ : वाराणसी लोकसभा क्षेत्र) | डॉ. राकेश मिश्र | | |
| 4 | चन्द्रमणि राय | सामाजिक बहिष्करण और गांधी दृष्टि : विकास जनित विस्थापन के संदर्भ में (शोध क्षेत्र : स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, केवाडिया नर्मदा डिस्ट्रिक्ट, गुजरात | डॉ. मनोज कुमार राय | | |
| 5 | मोहन कुमार मिश्रा | राज्य की अवधारणाएं एवं गांधी दृष्टि | डॉ. डी.एन. प्रसाद | | |
| 6 | इमरान शाहा | जम्मू एवं कश्मीर में शांति एवं संभावनाएं : विशेष संदर्भ 2009-2019 | डॉ. चित्रा माली | | |

**मुद्दा क्रमांक** 4. एम.फिल. सत्र: 2019-20 के शोधार्थियों के शोध-विषय निर्धारण के संबंध में चर्चा प्रस्तावित है।

| क्र स | विद्यार्थी का नाम | विषय | शोध-निर्देशक |
|---|---|---|---|
| 1 | सुरेन्द्र जयसवाल | प्रकृति,पर्यावरण और गांधी | डॉ. डी एन प्रसाद |
| 2 | पंकज कुमार | | डॉ. राकेश मिश्र |
| 3 | एकता रानी | दिल्ली का शिक्षा मॉडल | डॉ. चित्रा माली |
| 4 | योगेश जांगिड़ | हिंसा-अहिंसा का सिद्धांत: फ्रांज फैनन और गांधी के संदर्भ में | डॉ. मनोज कुमार राय |

Scanned with CamScanner

**निर्णय:** संज्ञान में लिया गया।।

**मुद्दा क्रमांक** 5. पी-एच.डी. सत्र: 2016-17 के शोधार्थियों सुजित वनकर, आशीष कुमार, प्रदीप कुमार मिश्रा, अरुण कुमार एवं सुनील राम के शोध अवधि विस्तार (6महीना) पर निर्णय।

**निर्णय: 6 महीने की अवधि विस्तार पर स्वीकृति प्रदान की गई।**

धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत बैठक संपन्न हुई।

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रो राम प्रकाश द्विवेदी<br>(बाह्य विशेषज्ञ) | प्रो. वी के राय<br>(बाह्य विशेषज्ञ) | 28.10.2020<br>प्रो नृपेन्द्र प्रसाद मोदी<br>(अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ ) | डॉ मनोज कुमार राय<br>(विभागाध्यक्ष) |
| 28/10.2021<br>डॉ डी एन प्रसाद<br>( संदस्य) | डॉ राकेश कुमार मिश्र<br>(संदस्य) | डॉ चित्रा माली<br>(सदस्य) | डॉ मनहर चरण<br>(भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि) |

Scanned with CamScanner

# गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
## अध्ययन मण्डल की 16वीं बैठक
## दिनांक 02/08/2020
## कार्यवृत्त

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन मण्डल की 16वीं बैठक दिनांक 02/08/2020 को सम्पन्न हुई। यह बैठक वैश्विक आपदा(कोविड-9) और भारत सरकार के निर्देश ***'वर्क फ्राम होम'*** की अनुपालना के मद्देनजर 'ऑन लाइन' आयोजित की गई। अध्ययन मण्डल की ऑनलाइन बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित हुए-

1. प्रो राम प्रकाश द्विवेदी (बाह्य विशेषज्ञ)
2. प्रो. वी के राय (बाह्य विशेषज्ञ)
3. डॉ मनोज कुमार राय (अध्यक्ष)
4. डॉ राकेश कुमार मिश्र (आमंत्रित सदस्य)
5. डॉ चित्रा माली (सदस्य)
6. डॉ मनहर चरण ((सदस्य,भूतपूर्व विद्यार्थी )

बैठक में निम्नलिखित सदस्य तकनीकी कारण वश उपस्थित नहीं हो पाये थे –

1-प्रो एन पी मोदी (अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ)

2- डॉ डी एन प्रसाद (सदस्य)

***बैठक में निम्न विषयों पर निर्णय लिए गए-***

**मुद्दा क्र. 01** गांधी अध्ययन में पी. जी. डिप्लोमा पुन: प्रारम्भ करने तथा पाठ्यक्रम निर्मिति संबंधी निर्णय !

**निर्णय : स्वीकृत**

**मुद्दा क्रम.** 02 (केवल सूचनार्थ) दिनांक 08.06.2020 को पी-एच.डी. शोधार्थी श्री शिव गोपाल की मौखिकी सम्पन्न हुई।

**निर्णय :** अध्ययन मण्डल सूचित हुआ। डॉ शिव गोपाल को पी-एच.डी. उपाधि प्रदान करने की बधाई दी गई ।

धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत बैठक संपन्न हुई।

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रो राम प्रकाश द्विवेदी (बाह्य विशेषज्ञ) | प्रो. वी के राय (बाह्य विशेषज्ञ) | प्रो एन पी मोदी (अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ ) | डॉ मनोज कुमार राय (विभागाध्यक्ष) |
| डॉ डी एन प्रसाद ( संदस्य) | डॉ राकेश कुमार मिश्र (संदस्य) | डॉ चित्रा माली (सदस्य) | डॉ मनहर चरण (भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि) |

Scanned with CamScanner

# गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
## अध्ययन मण्डल की 15वीं बैठक
## दिनांक 18/4/2020
## कार्यवृत्त

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन मण्डल की 15वीं बैठक दिनांक 18/4/2020 को सम्पन्न हुई। यह बैठक वैश्विक आपदा के मद्देनजर 'ऑन लाइन' आयोजित की गई थी। अध्ययन मण्डल की ऑनलाइन बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित हुए.

1- प्रो राम प्रकाश द्विवेदी (बाह्य विशेषज्ञ)

2- प्रो वी के राय (बाह्य विशेषज्ञ)

3- प्रो एन पी मोदी (सदस्य)

4- डॉ मनोज कुमार राय (अध्यक्ष)

5- डॉ डी एन प्रसाद (सदस्य)

6- डॉ चित्रा माली (सदस्य)

7- डॉ मनहर चरण ((सदस्य,भूतपूर्व विद्यार्थी )

8- डॉ राकेश कुमार मिश्र (आमंत्रित सदस्य)

बैठक में निम्न विषयों पर निर्णय लिए गए.

1- पी जी डिप्लोमा मानवाधिकार पाठ्यक्रम के स्वीकृति के संदर्भ में -
सत्र 2018-19 से गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अंतर्गत चल रहे मानवाधिकार में डिप्लोमा प्रारम्भ किया गया था। उक्त पाठ्यक्रम के पाठ्यचर्या को स्वीकृति देने का प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुत

**निर्णय-** गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अंतर्गत चल रहे उपरोक्त पाठ्यक्रम को स्वीकृति प्रदान की गई। पाठ्यक्रम को और सुंदर,समृद्ध तथा प्रासंगिक बनाने हेतु डॉ मनहर चरण ने कार्यशाला कराने तथा उसमें विषय विशेषज्ञों को बुलाने का सुझाव दिया।

2- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए यूजीसी द्वारा निर्धारित नियमों के तहत एम ए गांधी एवं शांति अध्ययन के पाठ्यक्रम को 90 क्रेडिट करने तथा तदनुसार पाठ्यचर्या तैयार करना -

**निर्णय-** क्रेडिट व्यवस्था स्वीकृत। पाठ्यचर्या तैयार करने हेतु कार्यशाला करने का सुझाव दिया गया।

Scanned with CamScanner

3- प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी के निर्देशन में शोध कर रहे सुमित कुमार गुप्ता का शोध-विषय परिवर्तन के संदर्भ में प्राप्त आवेदन विचारार्थ प्रस्तुत।

**निर्णय-** शोध-निर्देशक प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी द्वारा शोध-विषय परिवर्तन पर सहमति जताई गई। समिति ने स्वीकृति प्रदान की।

4- एम फिल द्वितीय छमाही के विद्यार्थियों के लिए शोध-निर्देशक और विषय- निर्धारण की स्वीकृति -

विभाग के सत्र २०१९-२० में चयनित एम फिल शोधार्थियों के शोध-निर्देशक और अध्ययन मण्डल से विचार विनिमय कर निम्न शोध विषय आबंटित किए गए-

| क्र स | विद्यार्थी का नाम | विषय | शोध-निर्देशक |
|---|---|---|---|
| 1 | सुरेन्द्र जयसवाल | पर्यावरण चेतना के पुनर्जागरण में गांधी का योगदान : एक समीक्षात्मक अध्ययन | डॉ. डी एन प्रसाद |
| 2 | पंकज कुमार | शांति शिक्षा की अवधारणा | डॉ. राकेश मिश्र |
| 3 | एकता रानी | पंचायतों में पिछड़े वर्ग की महिलाओं की सहभागिता (बागपत जिले के संदर्भ में) | डॉ. चित्रा माली |
| 4 | योगेश जांगिड़ | हिंसा और अहिंसा दर्शन का तुलनात्मक अध्ययन : गांधी और फ्रांज फाइनन के विशेष संदर्भ में | डॉ. मनोज कुमार राय |

**निर्णय-** शोध-निर्देशक और विषय को स्वीकृति प्रदान की गई। यह भी सुझाव दिया गया कि शोध-निर्देशक से चर्चा कर यथाशीघ्र प्रास्ताविक विभाग में जमा करें।

प्रो राम प्रकाश द्विवेदी प्रो. वी के राय प्रो एन पी मोदी डॉ मनोज कुमार राय

डॉ डी एन प्रसाद डॉ चित्रा माली डॉ मनहर चरण डॉ राकेश कुमार मिश्र

Scanned with CamScanner

# गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग

## अध्ययन मंडल की 14वीं बैठक

## कार्यवृत्त

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन मंडल 14वीं बैठक दिनांक : 10 /10 /2019 को 02.00 बजे विभागाध्यक्ष कक्ष में संपन्न हुई इसमें निम्न सदस्यों की उपस्थित हुये ।

1. प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी (अध्यक्ष)
2. प्रो. विजय कुमार राय (बाह्य विशेषज्ञ)
3. डॉ. डी. एन. प्रसाद (सदस्य एवं सहायक प्रोफेसर)
4. डॉ. राकेश मिश्र (आमंत्रित सदस्य एवं सहायक प्रोफेसर)
5. डॉ. मनोज कुमार राय (आमंत्रित सदस्य एवं सहायक प्रोफेसर)
6. डॉ. चित्रा माली (आमंत्रित सदस्य एवं सहायक प्रोफेसर)
7. डॉ. चन्द्रकांत कृष्णराव हिवरे (भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि)

प्रो. आर. पी. द्विवेदी (बाह्य विशेषज्ञ) किन्ही कारण वश बैठक में शामिल नहीं हो पाये

बैठक में निम्न विषयों पर निर्णय लिये गये :-

1. **पी.जी.डिप्लोमा मानवाधिकार पाठ्यक्रम को स्वीकृति के संदर्भ में।**

सत्र 2018-19 से गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग में मानवाधिकार विषय में पी.जी.डिप्लोमा प्रारंभ किया गया है। उक्त पाठ्यक्रम के पाठ्यचर्या को स्वीकृति देने का प्रस्ताव समिति के समक्ष सादर प्रस्तुत।

**निर्णय:-** समिति ने पाठ्यचर्या को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की तथा जल्द ही पाठ्यक्रम निर्माण संबंधी कार्यशाला कराने का निर्देश दिया।

2. शोधार्थी राकेश विश्वकर्मा एवं नीरज कुमार का माननीय कुलपति महोदय के कार्यालयादेश क्रमांक 10/2013/2015/BOS/NVPS/34[B] दिनांक 20.08.2018 के अनुसार विपंजियन किया गया है, तथा शोधार्थी विकास कुमार विक्की को शोध प्रबंध मूल्यांकन हेतु अग्रसारित किया गया है। समिति के समक्ष संज्ञानार्थ प्रस्तुत।

**निर्णय :-** समिति ने सूचना ग्रहण की।

3. पी-एच.डी शोधार्थी सत्र 2014-15 शिव गोपाल, कुमारी मीरा रानी, हुस्न तबस्सुम एवं मेधावी शुक्ला द्वारा शोध-प्रबंध विभाग में जमा किया गया है जिसे परीक्षा विभाग मूल्यांकन हेतु अग्रसारित किया गया है।

**निर्णय :-** समिति ने सूचना ग्रहण की।

4. एम.फिल. सत्र 2018-19 शोधार्थियों के विषय निर्धारण तथा शोध निर्देशकों की स्वीकृति ।

| क्र.सं. | शोधार्थियों का नाम | विषय | शोध निर्देशक |
|---|---|---|---|
| 1. | महेश किष्टय्या दुर्गम | आदिवासियों के सामाजिक जीवन पर गांधीजी के रचनात्मक कार्यक्रम का प्रभाव (विशेष संदर्भ : गडचिरोली जिले के सिरोंचा तहसील) | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |

Scanned with CamScanner

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 2. | संजीव किरप्ट्या दुर्गम | महात्मा गाँधी और डॉ अम्बेडकर के वर्ण व्यवस्था संबंधित विचारों का अध्ययन | |
| 3. | शुभम जायसवाल | 21वीं सदीं सदी में भारतीय मुसलमानों में मत व्यवहार का अध्ययन (विशेष संदर्भ : वाराणसी लोकसभा क्षेत्र) | डॉ. राकेश मिश्र |
| 4. | चन्द्रमणि राय | सामाजिक बहिष्करण और गांधी दृष्टि : विकास जनित विस्थापन के संदर्भ में (शोध क्षेत्र : स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, केवाडिया नर्मदा डिस्ट्रिक्ट, गुजरात | डॉ. मनोज कुमार राय |
| 5. | मोहन कुमार मिश्रा | राज्य की अवधारणाएं एवं गांधी दृष्टि | डॉ. डी.एन. प्रसाद |
| 6. | इमरान शाह | जम्मू एवं कश्मीर में शांति एवं संभावनाएं : विशेष संदर्भ 2009-2019 | डॉ. चित्रा माली |

**निर्णय :-** समिति ने शोधार्थियों के शोध प्रस्ताव की प्रस्तुति के बाद कतिपय सुझावों के साथ विषय एवं निर्देशकों को स्वीकृति प्रदान की।

5. अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।

विभागाध्यक्ष द्वारा अभी सदस्यों को धन्यवाद देने के साथ बैठक संपन्न हुई।

10.10.19

**प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी**
**(अध्यक्ष)**

**प्रो. आर. पी. द्विवेदी**
**(बाह्य विशेषज्ञ)**

10/10/19

**प्रो. विजय कुमार राय**
**(बाह्य विशेषज्ञ)**

**डॉ. डी. एन. प्रसाद**
**(सदस्य)**

**डॉ. राकेश मिश्र**
**(आमंत्रित सदस्य)**

**डॉ. मनोज कुमार राय**
**(आमंत्रित सदस्य)**

**डॉ. चित्रा माली**
**(आमंत्रित सदस्य)**

**डॉ. चन्द्रकांत कृष्णराव हिवरे**
**(भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि)**

Scanned with CamScanner

# कार्यवृत्त

अकादमिक व्यवस्थाओं के संदर्भ में माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में दिनांक **21 सितंबर, 2019** को सांय 06.00 बजे मा. कुलपति आवास स्थित कैंप कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यापीठ के निम्नांकित अधिष्ठाताओं तथा संबंधित ने सहभागिता की–

1. प्रो. मनोज कुमार, अधिष्ठाता : शिक्षा विद्यापीठ/ प्रबंधन विद्यापीठ
2. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, अधिष्ठाता : भाषा विद्यापीठ
3. प्रो. प्रीति सागर, अधिष्ठाता : साहित्य विद्यापीठ
4. प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, अधिष्ठाता: संस्कृति विद्यापीठ
5. प्रो. के.के.सिंह, विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

बैठक में निम्नानुसार निर्णय लिए गए।

1. **02 अक्टूबर 2019** को महात्मा गांधी के 150वीं जन्मशती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में किए जाने वाले आयोजनों के संदर्भ में निर्णय लिया गया कि– उक्त तिथि को प्रातः 07.30 बजे गांधी हिल्स पर गांधी प्रतिमा का पुष्पार्पण, मार्ल्यापण किया जाए, जिसकी व्यवस्था प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ द्वारा की जाएगी। इसके पश्चात प्रातः 08.00 बजे से अनुवाद एवं निवर्चन विद्यापीठ के प्रांगण में रामधुन, चरखा चलाना, आमंत्रित किए जाने वाले अतिथि का भाषण व अन्य अकादमिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिसकी व्यवस्था प्रो. मनोज कुमार, अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ द्वारा की जाएगी तथा 'कहाँ गए गांधी' नाटक का मंचन किया जाए, जिसकी व्यवस्था प्रो. प्रीति सागर, अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ द्वारा की जाएगी।
2. यह भी निर्णय लिया गया कि दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 की शाम विश्वविद्यालय में दीपोत्सव का आयोजन किया जाए। इस हेतु गांधी हिल्स पर लगभग 1500 दीपक व विश्वविद्यालय के दोनों प्रवेश द्वारों पर दीपक जलाए जाएं तथा छात्रावासों में रह रहे विद्यार्थियों/शोधार्थियों से यह निवेदन किया जाए कि प्रत्येक विद्यार्थी/शोधार्थी छात्रावास में कम से कम 05 दीपक जलाएँ। दीपक व इससे संबंधित सामग्री विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी। छात्रावास अधीक्षक इस व्यवस्था में सहयोग करेंगे।
3. इसी तरह विश्वविद्यालय परिसर में रह रहे कर्मचारियों/अधिकारियों से भी अपने–अपने आवास पर कम–से–कम 05 दीपक जलाने की अपील की जाए।
4. प्रायः यह देखा गया है कि गेस्ट फैकल्टी अवकाश पर जाते समय अवकाश आवेदन 01 दिन पूर्व देकर चले जाते हैं जिससे कक्षाओं में अध्यापन की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो पाती अतः इस संबंध में यह निर्णय लिया गया कि गेस्ट फैकल्टी अपना अवकाश आवेदन पर्याप्त समय पूर्व संबंधित विद्यापीठ के अधिष्ठाता को देकर जाएं ताकि अध्यापन की वैकल्पिक व्यवस्था समय से पूर्व की जा सके अन्यथा की स्थिति में यह अनुशासनहीनता मानी जाएगी।
5. हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग से प्राप्त श्री कमलेश यादव के निर्धारित शोध अवधि पूर्ण होने के उपरांत शोध अवधि के विस्तार विषयक आवेदन के संबंध में आवेदक को डीरजिस्ट्रेशन कराने का निर्णय लिया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि यदि किसी अन्य विद्यापीठ/विभाग में शोधार्थी के शोध विस्तार के संबंध में इस तरह के कोई मामले हों तो वे शोधार्थी भी डीरजिस्ट्रेशन करवाएं।

157

Scanned with CamScanner

26

6. जिन शोधार्थियों को राष्ट्रीय एजेंसी जैसे– यूजीसी, आईसीएसएसआर आदि के माध्यम से शोधवृत्ति प्राप्त हो रही है उन शोधार्थियों को राष्ट्रीय एजेंसी से प्राप्त होने वाली शोधवृत्ति की समयावधि तक अथवा विश्वविद्यालय में पीएचडी शोध कार्य की अवधि समाप्त होने से दो वर्ष अधिक तक, जो भी पहले हो, शोधवृत्ति जारी रखने की अनुमति प्रदान की जाती है।
7. अकादमिक सत्र 2014–15 व 2015–16 में प्रवेशित पीएच.डी शोधार्थी, जिन्होंने एम.फिल. उपाधि प्राप्त नहीं की थी और पीएचडी में प्रवेश ले लिया था। उन शोधार्थियों को कोर्सवर्क करना आवश्यक है। इसके लिए उन्हें पीएचडी की कोर्सवर्क परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति प्रदान की जाती है। यह अनुमति कोर्सवर्क एम.फिल. के प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर में पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर दी जाती है। ।

बैठक मा. कुलपति महोदय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई।

23/7/17

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल
कुलपति

कृपया उपर्युक्त हेतु आवश्यक आदेश निर्गत करें।

23/7/17

कुलसचिव

श्री किशोर 23/7

Scanned with CamScanner

## गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
## अध्ययन मंडल की 13वीं बैठक

### कार्यवृत्त

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन मंडल 13वीं बैठक दिनांक : 23 /04 /2019 को 03.30 बजे विभागाध्यक्ष कक्ष में संपन्न हुई इसमें निम्न सदस्यों की उपस्थित हुये।

1. प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी (अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष)
2. प्रो. आर. पी. द्विवेदी (बाह्य विशेषज्ञ)
3. प्रो. विजय कुमार राय (बाह्य विशेषज्ञ)
4. डॉ. डी. एन. प्रसाद (सदस्य एवं सहायक प्रोफेसर)
5. डॉ. राकेश मिश्र (आमंत्रित सदस्य एवं सहायक प्रोफेसर)
6. डॉ. मनोज कुमार राय (आमंत्रित सदस्य एवं सहायक प्रोफेसर)
7. डॉ. चित्रा माली (आमंत्रित सदस्य एवं सहायक प्रोफेसर)
8. डॉ. चन्द्रकांत कृष्णराव हिवरे (भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि)

बैठक में निम्न विषयों पर निर्णय लिया गया है :-

**1. पी-एच. डी. शोधार्थियों के विषय निर्धारण तथा उनकी स्वीकृति।**

विभाग के सत्रः 2018-19 में चयनित शोधार्थियों के शोध-निर्देशक एवं अध्ययन-मंडल से विचार विनिमय कर निम्न शोध विषय आवंटित किया गया।

| क्र.सं. | शोधार्थियों का नाम | विषय | शोध-निर्देशक |
|---|---|---|---|
| 1 | निशा राय | लोकबंधु राजनारायण : सत्याग्रह सिद्धांत की पृष्ठभूमि एवं जनसंघर्ष | डॉ. मनोज कुमार राय |
| 2 | प्रिंस कुमार सिंह | सेवाग्राम आश्रम में गांधी काल के अन्तः वासियों का आश्रम के बाद का सामाजिक जीवन | डॉ. राकेश मिश्र |
| 3 | सुमित कुमार गुप्ता | गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति नई दिल्ली द्वारा 2009 से 2019 तक संचालित कार्यक्रमों का अध्ययन | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 4 | मनीषा सुरेन्द्र खरालकर | वर्धा जिले में पंचायती राज व्यवस्था में निर्वाचित महिला सदस्यों की भूमिका निष्पादन का अध्ययन | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 5 | अश्विनी कृष्णराव राऊत | नागपुर नगर पालिका द्वारा वर्ष 2014 से अब तक किए कार्यों का समीक्षात्मक अध्ययन | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 6 | संगीता | भारतीय अध्यात्म परंपरा में ध्यान : वर्तमान में प्रासंगिकता | डॉ. डी. एन. प्रसाद |

**निर्णय : उक्त विषयों को अनुमति प्रदान की गई।**

Scanned with CamScanner

2. अरुण कुमार का प्रथम शोध-विषय झारखंड में विकास और विस्थापन (विशेष संदर्भ: कोयलकारो जलविद्युत परियोजना विरोधी /रांची, गुमला और सिंहभूम जिले के /आदिवासी प्रतिरोध आंदोलन का अवलोकनात्मक अध्ययन) है। आंशिक परिवर्तन विषय: 'झारखंड में विकास और विस्थापन (विशेष संदर्भ: झारखंड के कोयलकारो जल-विद्युत परियोजना का आदिवासी प्रतिरोध') है संशोधन के लिए आवेदन प्राप्त हुआ है।

निर्णय : अरुण कुमार का शोध-विषय में आंशिक परिवर्तन हुआ। अब उनका शोध-विषय: 'झारखंड में विकास और विस्थापन (विशेष संदर्भ: झारखंड के कोयलकारो जल-विद्युत परियोजना का आदिवासी प्रतिरोध') है।

3. पाँच पी-एच. डी. शोधार्थियों के द्वितीय शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।

1. जोगदंड शिवाजी रघुनाथराव
2. मुहम्मद शोएब
3. रवि शंकर लाल
4. कुमारी मीरा रानी
5. हुस्न तबस्सुम

7.3 The Bos may extend the Registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

निर्णय : जोगदंड शिवाजी रघुनाथराव, मुहम्मद शोएब, रवि शंकर लाल, कुमारी मीरा रानी एवं हुस्न तबस्सुम को 6 माह की द्वितीय शोध अवधि विस्तार की स्वीकृति दी गयी।

4. गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के पी-एच. डी. शोधार्थियों का पूर्व प्रस्तुति सेमिनार के आवेदन प्राप्त हुआ है।

| क्रम संख्या | शोधार्थियों का नाम | सत्र | विषय | शोध-निर्देशक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | जोगदंड शिवाजी रघुनाथराव | 2014-15 | औद्योगिक समाज में सामाजिक सेवाओं का बदलता स्वरुप (महाराष्ट्र राज्य के विशेष संदर्भ में) | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 2 | मुहम्मद शोएब | 2014-15 | उपेक्षित एवं गृहविहीन बच्चों का सामाजिक व मनोवैज्ञानिक अध्ययन | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 3 | कुमारी मीरा रानी | 2014-15 | 'झारखण्ड आन्दोलन का समाज शास्त्रीय विश्लेषण' | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 4 | रवि शंकर लाल | 2014-15 | दंगों की परिस्थितियों में सदभावना के चिन्ह (विशेष संदर्भः भारत विभाजन 1947) | डॉ. चित्रा माली |
| 5 | हुस्न तबस्सुम | 2014-15 | परिवार नियोजन और इस्लाम एक अध्ययन (उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के विशेष संदर्भ में) | डॉ. डी. एन. प्रसाद |

निर्णय : समिति ने उक्त आवेदनों पर पूर्व प्रस्तुति सेमिनार आयोजित कराए जाने की सहमति जताई।

Scanned with CamScanner

5. दिनांक : 16.01.2019 को पी-एच. डी. शोधार्थी शिव गोपाल एवं मेधावी शुक्ला की पूर्व प्रस्तुति सेमिनार सम्पन्न हुई।

निर्णय : उन्हें पी-एच. डी. शोध-प्रबंध समय से प्रस्तुत करने की अनुमति दी गयी।

6. पी. जी. डिप्लोमा में मानवाधिकार पाठ्यक्रम निर्मिति संबंधी निर्णय।

निर्णय : पी. जी. डिप्लोमा में मानवाधिकार पाठ्यक्रम निर्मिति का निर्णय लिया गया।

7. अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।

अध्यक्ष महोदय ने पी-एच.डी. शोधार्थी देवेन्द्र मौर्य के देर से प्राप्त एक आवेदन का जिक्र किया जिसमें शोधार्थी ने अपने विषय को आंशिक संशोधित करने का निवेदन किया है उक्त आवेदन में शोधार्थी ने "ग्रामीण विकास पर सूक्ष्मवित्त योजनाओं का प्रभाव (विशेष संदर्भ अंबेडकर नगर, उ.प्र.)" विषय को संशोधित कर "ग्रामिण विकास पर सूक्ष्मवित्त का प्रभाव (विशेष संदर्भः स्वयं सहायता समूह, अंबेडकर नगर, उ.प्र.)" करने का निवेदन किया है।

निर्णय : पी-एच. डी. शोधार्थी देवेन्द्र मौर्य के शोध-विषय "ग्रामीण विकास पर सूक्ष्मवित्त योजनाओं का प्रभाव (विशेष संदर्भ अंबेडकर नगर, उ.प्र.)" में आंशिक संशोधन कर शोध-विषय "ग्रामीण विकास पर सूक्ष्मवित्त का प्रभाव (विशेष संदर्भः स्वयं सहायता समूह, अंबेडकर नगर, उ.प्र.)" किया गया।

अध्यक्ष महोदय ने विभाग के शिक्षक डॉ. डी.एन.प्रसाद से प्राप्त एक आवेदन का जिक्र किया जिसने उनके दो शाधार्थियों ने अवधि विस्तार की सीमा बीत जाने के बाद भी पी-एच.डी. थीसिस जमा नहीं की है। ऐसा ही एक मामला एक अन्य शोधार्थी राकेश विश्वकर्मा का भी है। इस संबंध में अकादमिक विभाग से भी पत्राचार किया गया और उन्होंने अध्ययन मंडल में इस पर चर्चा करने का सुझाव दिया है।

| शोध छात्र का नाम | शोध पंजीयन तिथि | पांच वर्ष पूर्ण होने की तिथि | पीएच्.डी. पूर्व मौखिकी तिथि | बीओएस से प्राप्त दो बार अवधि विस्तार की तिथि | सक्षम अधिकारी (VC) से प्राप्त अवधि विस्तार तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| नीरज कुमार | 18.07.2013 | 18.07.2018 | 21 मार्च 2018 | 18.01.2018<br>17.07.2018 | 17.01.2019 |
| विकास कुमार विक्की | 18.07.2013 | 18.07.2018 | 20 अप्रैल 2018 | 18.01.2018<br>17.07.2018 | 17.01.2019 |
| राकेश विश्वकर्मा | 18.07.2013 | 18.07.2018 | 20 अप्रैल 2018 | 18.01.2018<br>17.07.2018 | 17.01.2019 |

निर्णय : अध्ययन मंडल ने प्रकरण पर चर्चा की और पाया कि अध्ययन मंडल के अधिकार क्षेत्र में सिर्फ अवधि विस्तार का ही मामला आता है। इस प्रकरण में अवधि विस्तार की सीमा समाप्त हो चुकी है। अतः अकादमिक विभाग ही अधिनियम के हिसाब से कार्यवाही कर सकता है।

Scanned with CamScanner

21

विभागाध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद देने के साथ बैठक संपन्न हुई।

23.04.19

प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी
(अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष)

प्रो. आर. पी. द्विवेदी
(बाह्य विशेषज्ञ)

23/04/2019

प्रो. विजय कुमार राय
(बाह्य विशेषज्ञ)

23.4.19

डॉ. डी. एन. प्रसाद
(सदस्य)

डॉ. राकेश मिश्र
(आमंत्रित सदस्य)

डॉ. मनोज कुमार राय
(आमंत्रित सदस्य)

डॉ. चित्रा माली
(आमंत्रित सदस्य)

डॉ. चन्द्रकांत कृष्णराव हिवरे
(भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि)

Scanned with CamScanner

# गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग

## अध्ययन मंडल की 12वीं बैठक

## कार्यवृत्त

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के **अध्ययन मंडल की 12वीं बैठक** दिनांक : 11 सितम्बर, 2018 को प्रातः 11.00 बजे **विभागाध्यक्ष कक्ष** में संपन्न हुई इसमें निम्न सदस्यों की उपस्थित हुये।

1. प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, **(अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष)**
2. प्रो. पुष्पा मोतियानी **( बाह्य विशेषज्ञ )**
3. डॉ. एम. एल. कासारे **(बाह्य विशेषज्ञ)**
4. डॉ. राकेश मिश्र **( सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**
5. डॉ. मनोज कुमार राय **( सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**
6. डॉ. डी. एन. प्रसाद **( सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**
7. डॉ. चित्रा माली **(सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**
8. डॉ. चन्द्रकांत कृष्णराव हिवरे **(भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि)**

**1. पी–एच.डी. शोधार्थी श्री शिव गोपाल के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।**

विभाग के शोधार्थी **श्री शिव गोपाल** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

**निर्णय : श्री शिव गोपाल को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।**

**2. पी–एच.डी. शोधार्थी जोगदंड शिवाजी रघुनाथराव के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।**

विभाग के शोधार्थी **श्री जोगदंड शिवाजी रघुनाथराव** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

Scanned with CamScanner

निर्णय : श्री जोगदंड शिवाजी रघुनाथराव को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।

3. पी–एच.डी. शोधार्थी रवि शंकर लाल के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।

विभाग के शोधार्थी **श्री रवि शंकर लाल** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

**निर्णय : श्री रवि शंकर लाल को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।**

4. पी–एच.डी. शोधार्थी अनुज सिंह रावत के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।

विभाग के शोधार्थी **श्री अनुज सिंह रावत** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

**निर्णय : श्री अनुज सिंह रावत को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।**

5. पी–एच.डी. शोधार्थी मुहम्मद शोएब के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।

विभाग के शोधार्थी **श्री मुहम्मद शोएब** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

**निर्णय : श्री मुहम्मद शोएब को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।**

Scanned with CamScanner

6. पी–एच.डी. शोधार्थी हुस्न तबस्सुम के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।

विभाग के शोधार्थी **सुश्री हुस्न तबस्सुम** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

**निर्णय : सुश्री हुस्न तबस्सुम को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।**

7. पी–एच.डी. शोधार्थी मेधावी शुक्ला के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।

विभाग के शोधार्थी **मेधावी शुक्ला** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

**निर्णय : सुश्री मेधावी शुक्ला को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।**

8. पी–एच.डी. शोधार्थी कुमारी मीरा रानी के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।

विभाग के शोधार्थी **कुमारी मीरा रानी** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

**निर्णय : कुमारी मीरा रानी को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।**

9. गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के एक पी–एच.डी. शोधार्थी का पूर्व प्रस्तुति सेमिनार के आवेदन के संबंध में।

| क्रम संख्या | शोधार्थी का नाम | सत्र | विषय | शोध–निर्देशक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | अनुज सिंह रावत | 2014–15 | स्वातंत्र्योत्तर भारत में विकलांग पुनर्वसन एवं सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन (बिहार के कैमूर जिले के विषेष संदर्भ में ) | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |

Scanned with CamScanner

निर्णय :समिति ने सूचना ग्रहन की और शोधार्थी को बधाई दी।

10. पी–एच.डी. शोधार्थियों के विषय निर्धारण तथा उनकी स्वीकृति ।

विभाग के सत्र 2017–18 में चयनित शोधार्थियों को शोध निर्देशक आवंटित किये जा चुके हैं । उन्होंने अपने निर्देशकों से विचार विनिमय कर निम्न शोध विषयों का चयन किया है ।

| क्रम संख्या | शोधार्थी का नाम | विषय | शोध–निर्देशक |
|---|---|---|---|
| 1 | रोहित शर्मा | जम्मू व कश्मीर में शांति की चुनौतियां और उनका स्थानीय जीवन पर प्रभाव (जम्मू संभाग के विशेष संदर्भ में ) | डॉ. मनोज कुमार राय |
| 2 | देवेन्द्र मौर्य | ग्रामीण विकास पर सूक्ष्म वित योजनाओं का प्रभाव : विशेष संदर्भ अम्बेडकर नगर (उ.प्र.) | डॉ. मनोज कुमार राय |

निर्णय : उक्त विषयों को अनुमति प्रदान की गई।

11. एम.फिल. शोधार्थियों के विषय निर्धारण तथा उनकी स्वीकृति ।

विभाग के सत्र 2017 में चयनित शोधार्थियों को शोध निर्देशक आवंटित किये जा चुके हैं। उन्होंने अपने निर्देशकों से विचार विनिमय कर निम्न शोध विषयों का चयन किया है ।

| क्रम संख्या | शोधार्थी का नाम | विषय | शोध–निर्देशक |
|---|---|---|---|
| 1 | रुपा | जन आंदोलनों से उपजी राजनैतिक पर्टियॉ : वैकल्पिक राजनीति (विशेष संदर्भ : जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी) | डॉ. डी. एन. प्रसाद |
| 2 | पद्माकर बाविस्कर | वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सर्वधर्म समभाव : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन | डॉ. चित्रा माली |
| 3 | राजेन्द्र कुमार यादव | उत्तर प्रदेश के संसदीय राजनीति में आर.एस.एस. की भूमिका (विशेष संदर्भ : 1990–2016) | डॉ. राकेश मिश्र |
| 4 | अरविन्द प्रसाद गोंड | सामाजिक न्याय स्थापित करने में आरक्षण की भूमिका उच्च शिक्षा के संदर्भ में । | डॉ. मनोज कुमार राय |

निर्णय : उक्त विषयों को अनुमति प्रदान की गई।

12. विभाग के दो पी–एच.डी. आर.जे.एन.एफ. शोधार्थी (रवि शंकर लाल एवं मोहम्मद शोएब) का जे.आर.एफ. से एस.आर.एफ. में आवेदन प्राप्त है।

विभाग के दो पी–एच.डी. छात्रों का आर.जे.एन.एफ. फेलोशिप के तहत शोध करते हुए चार साल हो चुके हैं। फेलोशिप की नियमावली के अनुसार, उनको एस.आर.एफ. में प्रोन्नत किया जाना है । समिति के समक्ष इस हेतु कमेटी बनाने का प्रस्ताव प्रस्तुत ।

निर्णय : समिति द्वारा उक्त शोधार्थियों को एस.आर.एफ. में प्रोन्नत किया गया।

Scanned with CamScanner

## 13 अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय ।

विभाग के सत्र 2018–19 में छः पी–एच.डी. शोधार्थियों का चयन हुआ है। विभागीय समिति में इस पर प्रारंभिक चर्चा हुई है। स्थानों की उपलब्धता को देखते हुए इन शोधार्थियों को निम्न निर्देशक आवंटित किये जा सकते हैं। समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत।

| क्रम संख्या | शोधार्थी का नाम | शोध–निर्देशक |
|---|---|---|
| 1 | निशा राय | डॉ. मनोज कुमार राय |
| 2 | प्रिस कुमार सिंह | डॉ. राकेश मिश्र |
| 3 | सुमित कुमार गुप्ता | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 4 | मनीषा खरालकर | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 5 | अश्विनी कृष्णराव राउत | प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 6 | संगीता | डॉ. डी. एन. प्रसाद |

**निर्णय : अनुमति प्रदान की गई।**

विभागाध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद देने के साथ बैठक संपन्न हुई ।

11.09.18

प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी
( अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष )

प्रो. पुष्पा मोतियानी
(बाह् विशेषज्ञ)

डॉ. एम.एल. कोसारे
(बाह् विशेषज्ञ)

डॉ. राकेश मिश्र
(सदस्य)

डॉ. मनोज कुमार राय
(सदस्य)

डॉ. डी. एन. प्रसाद
(सदस्य)

डॉ. चित्रा माली
(सदस्य)

डॉ. चन्द्रकांत कृष्णराव हिवरे
(भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि)

Scanned with CamScanner

## गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग

## अध्ययन मंडल की ग्यारहवीं बैठक

# कार्यवृत्त

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के **अध्ययन मंडल की ग्यारहवीं बैठक** दिनांक : 19 अप्रैल को प्रातः 11.00 बजे **विभागाध्यक्ष कक्ष** में संपन्न हुई इसमें निम्न सदस्यों की उपस्थित हुये।

1. प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, **(अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष)**
2. प्रो. पुष्पा मोतियानी **( बाह्य विशेषज्ञ )**
3. डॉ. एम. एल. कासारे **(बाह्य विशेषज्ञ)**
4. डॉ. राकेश मिश्र **( सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**
5. डॉ. चित्रा माली **(सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**
6. डॉ. चन्द्रकांत कृष्णराव हिवरे **(भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि)**

डॉ. मनोज कुमार राय एवं डॉ. डी. एन. प्रसाद किन्हीं कारणों से बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

**1. पाठ्यक्रमों का संशोधित प्रारुप ।**

विश्वविद्यालय के सी.बी.सी.एस. चरित्र को देखते हुए एम. ए. तथा पी. जी. डिप्लोमा के पाठ्यक्रमों को कुछ आंशिक संशोधन किये गये हैं । ये संशोधन विभागीय सहयोगियों की एक बैठक में किये गये । पाठ्यक्रम का संशोधित स्वरुप समिति के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ सादर प्रस्तुत ।

समिति के सक्षम अनुमोदनार्थ सादर प्रस्तुत ।

**निर्णय : नये पाठ्यक्रमों एवं पाठ्यचर्याओं को स्वीकृति प्रदान की गयी ।**

**2. पी–एच.डी. शोधार्थी विकास कुमार विक्की के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।**

विभाग के शोधार्थी **श्री विकास कुमार विक्की** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

समिति के सक्षम स्वीकृति के लिये सादर प्रस्तुत ।

Scanned with CamScanner

निर्णय : विकास कुमार विक्की को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।

3. श्री राकेश विश्वकर्मा पी–एच.डी. शोधार्थी के द्वितीय अवधि विस्तार के संदर्भ में।

विभाग के शोधार्थी **श्री राकेश विश्वकर्मा** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

निर्णय : राकेश विश्वकर्मा को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।

4. दिनांक : 08.03.2018 को पी–एच.डी. शोधार्थी नेहा नेमा की मौखिकी सम्पन्न हुई ।

निर्णय : उन्हें पी–एच.डी. उपाधि प्रदान करने की अनुमति दी जाती है ।

5. दिनांक : 20.03.2018 को पी–एच.डी. शोधार्थी श्री अमृत अर्णव की मौखिकी सम्पन्न हुई ।

निर्णय : उन्हें पी–एच.डी. उपाधि प्रदान करने की अनुमति दी जाती है ।

6. दिनांक : 05.04.2018 को पी–एच.डी. शोधार्थी श्री मनोज कुमार की मौखिकी सम्पन्न हुई ।

निर्णय : उन्हें पी–एच.डी. उपाधि प्रदान करने की अनुमति दी जाती है ।

7. दिनांक : 21.03.2018 को पी–एच.डी. शोधार्थी श्री नीरज कुमार एवं प्रवीण पाठक की पूर्व प्रस्तुति सेमिनार सम्पन्न हुई ।

निर्णय : उन्हें पी–एच.डी.शोध प्रबंध समय से प्रस्तुत करने की अनुमति दी गयी ।

Scanned with CamScanner

8 अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय ।

विभागाध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद देने के साथ बैठक संपन्न हुई ।

| | | |
|---|---|---|
| प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | प्रो. पुष्पा मोतियानी | डॉ. एम.एल. कासारे |
| ( अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष ) | (बाह् विशेषज्ञ) | (बाह् विशेषज्ञ) |
| डॉ. राकेश मिश्र | डॉ. [illegible] माली | डॉ. चन्द्रकांत कृष्णराव हिवरे |
| (सदस्य) | (सदस्य) | (भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि) |

# विकास एवं भाांति अध्ययन विभाग

## अध्ययन मंडल की दसवीं बैठक

## कार्यवृत्त

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के **अध्ययन मंडल की दसवीं बैठक** दिनांक : 28 जुलाई 17 को अपराहन 3.00 बजे **विभागाध्यक्ष कक्ष** में संपन्न हुई इसमें निम्न सदस्यों की उपस्थित हुये।

1. डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, **(अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष)**
2. प्रो. पुष्पा मोतियानी **( बाहय विशेषज्ञ )**
3. डॉ. एम. एल. कासारे **(बाहय विशेषज्ञ)**
4. डॉ. राकेश मिश्र **( सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**
5. डॉ. चित्रा माली **(सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**

डॉ. आशुतोष कुमार मिश्र, डॉ. मनोज कुमार राय एवं डॉ. डी. एन. प्रसाद किन्ही कारणों से बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

**1. विभाग के नये पाठ्यक्रमों की स्वीकृति ।**

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग में इस सत्र से एम. ए. ( गांधी एवं शांति अध्ययन ), एम.फिल. (गांधी एवं शांति अध्ययन ), पी–एच.डी. ( गांधी एवं शांति अध्ययन ) तथा पी.जी. डिप्लोमा, ( गांधी विचार ) प्रारंभ किये जा रहे है। इसके निमित्त विभिन्न पाठ्यक्रमों के नये पाठयचर्या तैयार किये गये है। ये पाठयक्रम विगत दिनों 03 एवं 04 जुलाई को विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में तैयार किये गये। इन विशेषज्ञों में सर्वश्री रामजी सिंह, प्रो. पुष्पा मोतियानी, प्रो. एम.एल. कासारे, प्रो. मनोज कुमार, श्री आदित्य पटनायक तथा समस्त विभागीय सहयोगी उपस्थित थें। गहन विचार विमर्श के बाद प्रस्तुत पाठ्यचर्या तैयार की गयी।

समिति के समक्ष अनुमोदनार्थ सादर प्रस्तुत।

**निर्णय : नये पाठ्यकमों एवं पाठ्यचर्याओं को स्वीकृति प्रदान की गयी।**

Scanned with CamScanner

2. पी–एच.डी. शोधार्थी विकास कुमार विक्की के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।

विभाग के शोधार्थी श्री विकास कुमार विक्की का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।
7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

समिति के समक्ष स्वीकृति के लिये सादर प्रस्तुत ।

**निर्णय : विकास कुमार विक्की को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।**

3. पी–एच.डी. शोधार्थी श्री राकेश विश्वकर्मा के शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में।

विभाग के शोधार्थी **श्री राकेश विश्वकर्मा** का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध निम्न व्यवस्था है।
7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years If the candidate fils to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

समिति के समक्ष स्वीकृति के लिये सादर प्रस्तुत ।

**निर्णय : राकेश विश्वकर्मा को प्रारंभिक तौर पर 6 माह की अवधि विस्तार की स्वीकृती दी गयी।**

4. विभाग के पी.एच.डी. शोधार्थी श्री नलिन मंडल के संदर्भ में कार्योत्तर स्वीकृति।

शोधार्थी श्री नलिन मंडल की शोध अवधि (पांच वर्ष) पूर्ण हो चूंकी है। परंतु उनका शोध प्रबंध अभी जमा नहीं हो पाया विश्वविद्यालय प्रशासन ने सक्षम पदाधिकारी के अनुमोदनोपंरात उन्हें तीन माह की अतिरिक्त अवधि प्रदान की है।
समिति के समक्ष कार्यात्तर स्वीकृति के लिये सादर प्रस्तुत ।

**निर्णय : कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गयी।**

Scanned with CamScanner

5 अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय ।

विभागाध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद देने के साथ बैठक संपन्न हुई।

डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी

( अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष )

प्रो. पुष्पा मोतियानी

(बाह् विशेषज्ञ)

डॉ. एम.एल. कांसारे

(बाह् विशेषज्ञ)

डॉ. [illegible]केश मिश्र

(सदस्य)

डॉ. [illegible] भारती

(सदस्य)

Scanned with CamScanner

# विकास एवं शांति अध्ययन विभाग

## अध्ययन मंडल की नववीं बैठक

## कार्यवृत्त

विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के **अध्ययन मंडल की नववीं बैठक** दिनांक: 27 अप्रैल, 2017 को पूर्वाह्न 11.30 बजे **विभागाध्यक्ष कक्ष** में सम्पन्न हुई जिसमें में निम्न सदस्य उपस्थित हुए।

1. डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, **(अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष)**
2. प्रो. पुष्पा मोतियानी **( बाह्य विशेषज्ञ )**
3. डॉ. एम. एल. कासारे **(बाह्य विशेषज्ञ )**
4. डॉ. आशुतोष कुमार मिश्र **(बाह्य विशेषज्ञ )**
5. डॉ. राकेश मिश्र **(सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**
6. डॉ. मनोज कुमार राय **(सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर )**
7. डॉ. डी. एन. प्रसाद **(सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**
8. डॉ. चित्रा माली **(सदस्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर)**

प्रो. पुष्पा मोतियानी, डॉ. आशुतोष कुमार मिश्र, डॉ. राकेश मिश्र एवं डॉ. मनोज कुमार राय किन्ही कारणों से बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक में निम्न विषयों पर चर्चा हुई।

**1. विभाग का नाम बदलने की कार्योत्तर स्वीकृति।**

गाँधी विचार मंच ने यू.जी.सी. से अनुरोध किया था कि विश्वविद्यालय में गाँधी अध्ययन का एक विभाग होना चाहिये। यू.जी.सी. की भी इससे सहमति दी कई गाँधीवादी चिंतकों, जिनमें श्री रामजी सिंह प्रमुख है, ने भी विश्वविद्यालय में गाँधी अध्ययन विभाग के होने की आवश्यकता पर बल दिया था। हमारा विभाग प्रारंभ में अहिंसा, फिर अहिंसा एवं शांति अध्ययन तथा वर्तमान में विकास एवं शांति अध्ययन के नाम से एम.ए., एम.फिल तथा पी–एच.डी. के कार्यक्रम संचालित करता है। गाँधीजी की बहुत सी बातें और सिद्धांत पाठ्यक्रम में शामिल हैं। परंतु नाम में गाँधीजी का नहीं होना एक उलझन पैदा करता है। गाँधी अध्ययन नाम से एक अलग पाठ्यक्रम संचालित किये जाने से विषय के दुहराव का जोखिम था जो विद्यार्थियों के समक्ष भी उलझन पैदा करता। अभी देश के कई विश्वविद्यालयों, जैसे इग्नु, गुजरात विद्यापीठ आदि में 'गाँधी एवं शांति अध्ययन' के नाम से पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। ऐसे में माननीय कुलपति महोदय के निर्देशानुसार विभागीय' शिक्षकों की एक बैठक संकायाध्यक्ष के साथ संपन्न हुई, जिसमें विभाग का नाम गाँधी एवं शांति अध्ययन' रखे जाने पर सर्वसम्मति बनी। माननीय कुलपति महोदय के अनुमोदन के पश्चात इस सत्र 2017–18 से यह विभाग 'गाँधी एवं शांति अध्ययन के नाम से ही जाना जाएगा। समिति के समक्ष कार्योत्तर स्वीकृति के लिये प्रस्तुत।

**निर्णय : कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।**

Scanned with CamScanner

2. **गाँधी एवं शांति अध्ययन में स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की स्वीकृति ।**

विश्वविद्यालय ने एक नीतिगत निर्णय लेते हुए स्नातक स्तर पर भी पाठ्यक्रम संचालित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में गाँधी एवं शांति अध्ययन में भी त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाना है। इस विषय को छात्र आर्नस, (प्रतिष्ठा) तथा सहायक (सबसिडियरी) विषय के रुप में भी पढ़ सकेंगे। एक प्रारंभिक पाठ्यक्रम भी अवलोकनार्थ संलग्न है।

**निर्णय : सहायक विषय के तौर पर गाँधी एवं शांति अध्ययन की अनुमति प्रदान की गई।**

3. **नेहा नेमा के विषय में आशिंक परिवर्तन की कार्योत्तर स्वीकृति।**

विभाग में शोधार्थी नेहा नेमा ***'भारत में भ्रष्टाचार और उसका प्रत्युत्तर (विशेष संदर्भ : जनलोकपाल बिल)'*** विषय पर डॉ. डी.एन.प्रसाद के निर्देशन में शोधरत हैं। अपने पूर्व प्रस्तुति सेमिनार के समय उन्होंने विषय में आंशिक सुधार का आवेदन दिया था, जिसपर विचार कर माननीय कुलपति महोदय ने ***भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ : कानून, मीडिया और आंदोलन के नये औजारों के असर से सुधार और क्रांति की नवीन संरचना।*** विषय रखने पर स्वीकृति दी थी। सुश्री नेमा का पूर्व प्रस्तुति सेमिनार इसी परिवर्तित विषय के साथ सम्पन्न हो चुका है। समिति के समक्ष कार्यात्तर स्वीकृति के लिये प्रस्तुत।

**निर्णय : कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान दी गई।**

4. **पी–एच.डी. शोधार्थियों के विषय निर्धारण तथा उनकी स्वीकृति।**

विभाग के सत्र 2016 में चयनित शोधार्थियों को शोध निर्देशक आवंटित किये जा चुके हैं। उन्होंने अपने निर्देशकों से विचार विनिमय कर निम्न शोध विषयों का चयन किया है।

| क्र.संख्या | नाम | विषय | शोध–निर्देशक |
|---|---|---|---|
| 1 | सुजीत वनकर | अभिधम्म में शांति चेतना : एक मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन | डॉ. चित्रा माली |
| 5 | आशीष कुमार | वैकल्पिक विकास में जैविक कृषि की भूमिका : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन | डॉ. चित्रा माली |
| 2 | प्रदीप कुमार मिश्रा | वैदिक दर्शन में पर्यावरण की अवधारणा | डॉ. चित्रा माली |
| 3 | सुनील राम | मध्यकालीन भारत में युध्द और शांति की नीतियाँ (विशेष संदर्भ : दिल्ली सल्तनत) | डॉ. राकेश मिश्र |
| 4 | अरुण कुमार | झारखण्ड में विकास और विस्थापन विशेष संदर्भ : कोयलकारों जलविद्युत परियोजना विरोधी (राची गुमला, और सिंहभूम जिले के) आदिवासी प्रतिरोध आंदोलन का अवलोकनात्मक अध्ययन | डॉ. राकेश मिश्र |

समिति के समक्ष सुझाव एवं स्वीकृति के लिये प्रस्तुत।

**निर्णय : उक्त विषयों को अनुमति प्रदान की गई।**

Scanned with CamScanner

18.7.13

5. श्री नीरज कुमार के शोध की अवधि विस्तार के संबंध में।

विभाग के शोधार्थी श्री नीरज कुमार का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध में निम्न व्यवस्था है।

7.3 The Bos may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years. If the candidate fails to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

**निर्णय : अनुमति प्रदान की गई।**

**6. अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय**

विभागाध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद देने के साथ बैठक संपन्न हुई।

27.04.17.

डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी
( अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष )

डॉ. एम.एल. कासारे
(बाह् विशेषज्ञ)

डॉ. डी. एन. प्रसाद
(सदस्य)

डॉ. चित्रा माली
(सदस्य)

Forwarded
28.4.2017

# विकास एवं शांति अध्ययन विभाग

## अध्ययन मंडल की आठवीं बैठक

## कार्यवृत्त

विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के **अध्ययन मंडल की आठवीं बैठक** दिनांक : 01 दिसंबर, 2016 को पूर्वाह्न 2.30 बजे **विभागाध्यक्ष कक्ष** में सम्पन्न हुई जिसमें में निम्न सदस्य उपस्थित हुए।

1. डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, **(अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष)**
2. प्रो. पुष्पा मोतियानी **( बाहय विशेषज्ञ )**
3. डॉ. एम. एल. कासारे **(बाहय विशेषज्ञ )**
4. डॉ. राकेश मिश्र **( सदस्य )**
5. डॉ. मनोज कुमार राय **( सदस्य )**
6. डॉ. डी. एन. प्रसाद **( सदस्य )**
7. डॉ. चित्रा माली **(सदस्य )**

डॉ. आशुतोष मिश्र निजी कारणों से बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक में निम्न निर्णय लिये गये।

2. **विभाग के दो नियमित अध्यापक डॉ. राकेश मिश्र एवं डॉ. चित्रा माली के शोध निर्देशन में शोध छात्रों के आवंटन के संबंध में।**

| **शोध निर्देशक** | | **शोधार्थी का नाम** |
|---|---|---|
| 3. डॉ. राकेश मिश्र | – | सुनील राम |
| | – | अरुण कुमार |
| 4. डॉ. चित्रा माली | – | आशिष कुमार |
| | – | सुजित गणपतराव वनकर |
| | – | प्रदीप कुमार मिश्रा |

**निर्णय : अनुमति प्रदान की गई।**

3. **विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के तीन पी–एच.डी. शोधार्थियों का पूर्व प्रस्तुति सेमिनार के आवेदन के संबंध में।**

| **क्रम.संख्या** | **शोधार्थी का नाम** | **सत्र** | **विषय** | **शोध–निर्देशक** |
|---|---|---|---|---|
| 1 | अमृत अर्णव | 2012–13 | वर्तमान पर्यावरणीय समस्या एवं गांधीय समाधान : एक समीक्षात्मक अध्ययन | डॉ. डी. एन. प्रसाद |
| 2. | नेहा नेमा | 2012–13 | भारत में भ्रष्टाचार और उसका प्रत्युत्तर (विशेष संदर्भ : जनलोकपाल बिल) | डॉ. डी. एन. प्रसाद |
| 3. | विवेक पाठक | 2014–15 | ''हरियाणा के खाप पचांयत का सामाजिक अध्ययन'' | डॉ. राकेश मिश्र |

Scanned with CamScanner

निर्णय : अनुमती प्रदान की गई।

विवेक पाठक के शोध निर्देशक डॉ. राकेश मिश्र ने यह प्रस्ताव दिया कि चूँकि शोधार्थी का काम खाप पंचायत पर है, इसलिये इसकी प्रकृति को देखते हुए चंडीगढ़ या हरियाणा से किसी विशेषज्ञ को पूर्व प्रस्तुति के लिये बुलाया जाना उचित होगा। ताकि शोधार्थी को उचित सुझाव मिल सके।
समिति ने डॉ. राकेश मिश्र के सुझाव से सहमति जताई और प्रशासन के पास इस आशय का प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया।

4. **मानवाधिकार अनिवार्य ऐच्छिक विषय का कार्यशाला सम्पन्न होने के संबंध में।**
**मानवाधिकार पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने जानकारी दी कि दिनांक 14–30 अक्टूबर, 2016 को सम्पन्न हुई।**

**निर्णय : समिति अवगत हुई।**

5. **अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय**

अध्यक्ष डॉ नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने यह सूचना दि डॉ. मनोज कुमार राय के निर्देशन में शोधार्थी रवि शंकर सिंह का शोध पूर्ण हुआ है तथा उपाधि प्रदान की गयी है।

**समिति ने डॉ. रवि शंकर सिंह को बधाई दी।**

विभागाध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद देने के साथ बैठक संपन्न हुई।

| | | |
|---|---|---|
| डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी<br>( अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष ) | प्रो. पुष्पा मोतियानी<br>(बाह् विशेषज्ञ) | डॉ. एम.एल. कासारे<br>(बाह् विशेषज्ञ) |
| डॉ. राकेश मिश्र<br>(सदस्य) | डॉ. मनोज कुमार राय<br>(सदस्य) | डॉ. डी. एन. प्रसाद<br>(सदस्य) |
| डॉ. चित्रा माली<br>(सदस्य) | | |

# विकास एवं शांति अध्ययन विभाग

## अध्ययन मंडल की सातवीं बैठक

### कार्यवृत्त

विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के **अध्ययन मंडल की सातवीं बैठक** दिनांक 03 मई, 2016 को पूर्वाह्न 11.00 बजे **विभागाध्यक्ष कक्ष** में सम्पन्न हुई जिसमें में निम्न सदस्य उपस्थित हुए।

1. डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, **(विभागाध्यक्ष )**
2. प्रो. पुष्पा मोतियानी **(बाह्य विशेषज्ञ)**
3. डॉ. एम.एल. कसारे **(बाह्य विशेषज्ञ)**
4. डॉ. आशुतोष कुमार मिश्र **(बाह्य विशेषज्ञ)**
5. डॉ. राकेश मिश्रा **(सदस्य )**
6. डॉ. मनोज कुमार राय **( आमंत्रित सदस्य )**
7. डॉ. डी. एन. प्रसाद **(आमंत्रित सदस्य)**
8. डॉ. चित्रा माली **(आमंत्रित सदस्य)**

विभागाध्यक्ष ने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार अध्ययन मंडल में पूर्व छात्र के प्रतिनिधि के बतौर **डॉ. आशुतोष कुमार मिश्र** (सागर विश्वविद्यालय) को शामिल किया गया है। अध्ययन मंडल के सभी सदस्यों इस पर हर्ष व्यक्त किया। बैठक में निम्न निर्णय लिये गये।

**1) एम.फिल के शोधार्थियों के शोध विषय का निर्धारण एवं निर्देशकों की नियुक्ति।**

सत्र 2015–16 में विभाग में निम्नलिखित शोधार्थी पंजीकृत हैं। उन्होंने अपना शोध प्रस्ताव तैयार कर लिया है। उनके विषय एवं निर्देशक की अनुमति हेतु सादर प्रस्तुत।

| क्र. संख्या | नाम | विषय | मार्गदर्शक |
|---|---|---|---|
| 01 | प्रिंस कुमार सिंह | "शांति प्रयोगशाला के बतौर सेवाग्राम आश्रम (रचनात्मक कार्यक्रमों के संदर्भ में)" | डॉ. राकेश मिश्र |
| 02 | वीरेन्द्र कुमार गांधी | भारतीय संविधान पर महात्मा गांधी के चिंतन का प्रभाव | डॉ. मनोज कुमार राय |
| 03 | रंजीत कुमार | | |
| 04 | राम कुमार सिंह | पर्यावरण चेतना के निर्माण मे समाचार पत्रों की भूमिका (झारखंड राज्य के गिरिडीह जिले कें विशेष संदर्भ में) | डॉ. मनोज कुमार राय |
| 05 | ओम प्रकाश | गंगा प्रदूषण और जनचेतना (विशेष संदर्भ : वाराणसी ) | डॉ. मनोज कुमार राय |
| 06 | मीना देवी | 'उत्तर प्रदेश में कामगार महिलाओं की दशा एवं दिशा बांदा जिले के विशेष संदर्भ में' | डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 07 | संजय मांझी | जनजातियों का आर्थिक विकास और वनोपज (विशेष संदर्भ झारखंण्ड़ के गुमला जिला) | डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 08 | रत्नेश कुमार यादव | मधेशी समस्या और भारत नेपाल संबंध | डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 9 | ऋचा सिंह | सार्वभौम मूल्य और रामचरित मानस | डॉ डी. एन. प्रसाद |
| 10 | निर्भय कुमार सिंह | उत्तर आधुनिक विचार और गांधीजी | डॉ. राकेश मिश्र |
| 11 | प्रज्ञा वजांरी | बुध्द का समाज दर्शन और थेरीगाथा | डॉ डी. एन. प्रसाद |
| 12 | ओमप्रकाश रतिराम पवार | सूचना क्रांति का किसान जीवन पर प्रभाव (विदर्भ क्षेत्र के विशेष संदर्भ में ) | डॉ. चित्रा माली |
| 13 | शशिकांत रामदासपंत वाढ | लोक अदालत और विकास एवं शांति का संबंध (अध्ययन क्षेत्र अमरावती ) | डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |

Scanned with CamScanner

| | | | |
|---|---|---|---|
| 14 | शेख वसिम शेख चाँद | दूरसंचार से जनसंचार तक मोबाईल का विकास : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन | डॉ. राकेश मिश्र |
| 15 | रजनीश कुमार गोस्वामी | सामाजिक न्याय और महादलित विशेष संदर्भ : मुसहर जाति | डॉ. चित्रा माली |
| 16 | पंकज इंगोले | मेलघाट के आदिवासी इलाकों में जनसंचार माध्यमों की पहुँच और उसकी अंतःक्रिया | डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| 17 | धर्मेन्द्र कुमार | तमस :उपन्यास, फिल्ममान्तरण –प्रस्तुति और परिवेश | डॉ डी. एन. प्रसाद |

**निर्णय : अध्ययन मंडल ने विषयों एवं उनके निर्देशकों की स्वीकृति प्रदान की। रंजित कुमार विभाग से अनुपस्थित है अतः इनके विषय पर कोई चर्चा नहीं हुई।**

**2) पी–एच.डी. शोधार्थी प्रवीण पाठक के विषय को मंजूरी।**

सत्र 2015–16 में विभाग में पी–एच.डी. शोधार्थी के तौर पर प्रवीण पाठक चयनित हुए है। 1942 के आंदोलन में जन भागीदारी : आष्टी गाँव के संदर्भ में, पर उनका शोध प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। विचारार्थ प्रस्तुत।

**निर्णय : विषय को स्वीकृत किया जाय।**

**3) डॉ. राकेश मिश्रा को शोध निर्देशक के रुप में मान्यता देने संबंधी प्रस्ताव।**

विभाग के नियमित शिक्षक डॉ. राकेश मिश्रा का एक आवेदन प्राप्त हुआ हे जिसमें उन्होंने अपने को शोध निर्देशक नियुक्त करने का निवेदन किया है। विश्वविद्यालय के अध्यादेश में शोध निर्देशक संबंधी निम्न नियम है।

4-1 A supervisor shall be appointed by the BoS. The supervisor shall be a Professor, Associate Professor, or an Assistant Professor with Ph.D. must have the experience of teaching at Post-Graduate level for at least three years and with minimum 5 (Five) research papers published in refereed /ISSN Journals. However, an Assistant/ Associate Professor who does not hold Ph.D. degree but has M.Phil and 4 (four) years teaching experience at PG level and withouta Ph.D. and M.Phil degree having experience of teaching at PG level for at least 6 (Six) years with at least five research papers published in refereed/ISSN journals or reputed journals, may also be appointed as a supervisor.

उक्त नियम के आलोक में विचारार्थ सादर प्रस्तुत।

**निर्णय : विचार करते समय समिति के सदस्य डॉ. राकेश मिश्र बाहर चले गये। शेष सदस्यों में डॉ. मिश्र के प्रकाशन और उनके कार्यानुभव को देखते हुए उन्हें पी–एच.डी. शोध–निर्देशक के रुप मान्यता प्रदान की।**

Scanned with CamScanner

(12)

4) डॉ. अमित राय को शोध निर्देशक के तौर पर मान्यता देने के संदर्भ में।

विश्वविद्यालय के दूरशिक्षा निदेशालय में कार्यरत सहायक प्रोफेसर जो अभी कोलकाता केन्द्र पर पदस्थ हैं का आवेदन शोध निर्देशक के तौर पर मान्यता देने के लिये प्राप्त हुआ है। विभाग में शोध निदेशक के लिये अध्यादेश में निम्न नियम है।

4-1 A supervisor shall be appointed by the BoS. The supervisor shall be a Professor, Associate Professor, or an Assistant Professor with Ph.D. must have the experience of teaching at Post-Graduate level for at least three years and with minimum 5 (Five) research papers published in refereed /ISSN Journals. However, an Assistant/ Associate Professor who does not hold Ph.D. degree but has M.Phil and 4 (four) years teaching experience at PG level and withouta Ph.D. and M.Phil degree having experience of teaching at PG level for at least 6 (Six) years with at least five research papers published in refereed/ISSN journals or reputed journals, may also be appointed as a supervisor.

दूरस्थ शिक्षा के अध्यापकों के लिये अभी कोई स्पष्ट नियम नहीं है। समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत।

**निर्णय : भविष्य में दस्तावेजों और अपनी माँग के समर्थन में विश्वविद्यालय के अधिनियमों/परिनियमों के आलोक में उचित प्रमाणपत्रों के साथ आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।**

5) तीन शोधार्थियों को अवधि विस्तार देने के संदर्भ में।

विभाग के तीन पी.एच.डी. शोधार्थी श्री चंदन कुमार, नलिन कुमार मंडल एवं अमृत अर्णव का आवेदन शोध–अवधि विस्तार के लिये प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में अवधि विस्तार के संबंध में निम्न व्यवस्था है।

7.3 The BoS may extend the registration of the candidate for maximum one year beyond the aforesaid period of four years. If the candidate fails to submit his/her thesis, within the extended period his/her registration shall lapse automatically

समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत।

**निर्णय : अध्यादेश के अनुसरण में एक वर्ष का अवधि विस्तार दिया गया उक्त अवधि में कोई फेलोशिप देय नहीं होगी।**

Scanned with CamScanner

6) सुश्री प्रज्ञा वंजारी के एम. फिल. के लिये सहा. शोध निर्देशक नियुक्त करने के संबंध में।

एम.फिल. की शोधार्थी प्रज्ञा वंजारी जिसका शोध विषय बुद्य का समज दर्शन और थेरीगाथा है, डॉ. डी. एन. प्रसाद के निर्देशन में शोधरत हे। आकर ग्रंथों को समझने के लिये उन्हें एक सहायक शोध निर्देशक की आवश्यकता है। इस संदर्भ में डॉ. डी. एन. प्रसाद की सहमति का प्रत्र प्राप्त हुआ है।

विचारार्थ प्रस्तुत।

निर्णय : अध्यादेश के अनुसरण में डॉ. डी. एन. प्रसाद पुनः किसी अर्हता एवं मान्यता प्राप्त शोध–निर्देशक का नाम एवं उनकी सहमति प्रस्तुत करें।

7) तीन शोधार्थियों के पी–एच.डी. पूर्व सेमिनार सम्पन्न होने की सूचना।

डॉ. मनोज कुमार राय के निर्देशन में विभाग के तीन शोधार्थियों की पी–एच.डी. पूर्व प्रस्तुति कल दिनांक 2 मई को सम्पन्न हुई श्री. पंकज कुमार सिंह, सुश्री भारती देवी, मनोज कुमार की उक्त प्रस्तुति में प्रो. पुष्पा मोतियानी बतौर बाहय विशेषज्ञ उपस्थिति थी। संज्ञानार्थ प्रस्तुत।

निर्णय : समिति ने सूचना ग्रहन की और शोधार्थियों को बधाई दी।

8) विवेक पाठक का शोध निर्देशक नियुक्त करने के संदर्भ में ।

विभाग के शोधार्थी श्री विवेक पाठक विभाग में पी–एच.डी. शोधार्थी के रुप में पंजीकृत हैं, परंतु उन्हें शोध–निर्देशक नहीं दिया गया है। हरियाणा के खाप पंचायतों का सामाजिक अध्ययन विषय पर थे शोध कर रहे हैं।

विचारार्थ सादर प्रस्तुत ।

निर्णय : डॉ. राकेश मिश्र को विवेक पाठक का शोध–निर्देशक नियुक्त किया गया।

9) सुश्री अर्चना पाठ्या के यू.जी.सी. पी.डी.एफ की कार्य की प्रगति की समीक्षा।

विभाग में यु.जी.सी. की पी.डी.एफ. योजना के अंतर्गत '21वीं सदी में शैक्षणिक चुनौतियों और उसके समाधान विषय पर शोधरत है। यू.जी.सी. के नियमानुसार उनके कार्य की प्रगति की समीक्षा होती है।

अनुमोदनार्थ प्रस्तुत ।

निर्णय : समिति के समक्ष सुश्री अर्चना पाठ्या ने अपना प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समिति ने प्रतिवेदन का गहन अवलोकन किया और कार्य की प्रगति से संतुष्ट हुई। अकादमिक इसका प्रतिवेदन तैयार कर यू.जी.सी. को भेज सकती है।

Scanned with CamScanner

(120)

सितंबर, 2016

10) अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

क) अध्यक्ष ने सूचना दी कि विभाग की शोधार्थी हुस्न तबस्सुम ने अपना शोध–निर्देशक बदलने के लिय एक आवेदन प्रस्तुत किया है। वर्तमान में डॉ. चित्रा माली उनकी शोध–निर्देशक है।

**निर्णय : समिति ने इस मामले को विभागीय समिति में रखने का सुझाव दिया।**

ख) अध्यक्ष महोदय ने ध्यान दिलाया की प्रवीण पाठक के विषय को मंजूरी मिल चुकी है इस अतः उनका निर्देशक भी नियुक्त किया जा सकता है।

**निर्णय : डॉ. राकेश मिश्र को प्रवीण पाठक का शोध–निर्देशक नियुक्त किया गया।**

विभागाध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद देने के साथ बैठक संपन्न हुई।

03.05.16

डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी
(विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष)

3/5/16

प्रो. पुष्पा मोतियानी
(बाह्य विशेषज्ञ)

डॉ. एम. एल. कासारे
(बाह्य विशेषज्ञ)

03/05/16

डॉ. आशुतोष कुमार मिश्र
(बाह्य विशेषज्ञ)

डॉ. राकेश मिश्रा
(सदस्य)

डॉ. मनोज कुमार राय
(आमंत्रित सदस्य)

3.5.16

डॉ. डी. एन. प्रसाद
(सदस्य)

3.5.16

डॉ. चित्रा माली
(आमंत्रित सदस्य)

Scanned with CamScanner

# विकास एवं शांति अध्ययन विभाग

## अध्ययन मंडल की बैठक

## कार्यवृत्त

विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के **अध्ययन मंडल की बैठक** दिनांक 29 जुलाई, 2015 को पूर्वाह्न 11.00 बजे **विभागाध्यक्ष कक्ष** में सम्पन्न हुई जिसमें में निम्न सदस्य उपस्थित हुए।

1. डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, **(विभागाध्यक्ष )**
2. प्रो. पुष्पा मोतियानी **(बाह्य विशेषज्ञ)**
3. डॉ. एम.एल. कसारे **(बाह्य विशेषज्ञ)**
4. डॉ. राकेश मिश्रा **( सदस्य )**
5. डॉ. डी. एन. प्रसाद **(आमंत्रित सदस्य)**
6. डॉ. चित्रा माली **(आमंत्रित सदस्य)**

विभागाध्यक्ष ने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार अध्यययन मंडल में पूर्व छात्र के प्रतिनिधि के बतौर **डॉ. आशुतोष कुमार (सागर विश्वविद्यालय)** को शामिल किया गया है। अध्ययन मंडल के सभी सदस्यों इस पर हर्ष व्यक्त किया। बैठक में निम्न निर्णय लिये गये।

**1) पी–एच.डी.शोधार्थियों के शोध प्रारूप के संशोधित स्वरूप पर चर्चा और उसका अनुमोदन।**

अध्ययन मंडल की विगत बैठक में शोधार्थियों के प्रारूप पर चर्चा हुई थी और उसे अधिसूचित करने हेतु मा. कुलपति महोदय के पास विचारार्थ भेजा गया था। कुलपति महोदय ने समस्त शोध प्रस्तावों का अध्ययन कर उनमें कतिपय बदलाव का सुझावा दिया है। उन सुझावों के आलोक में शोधार्थियों से संशोधित प्रस्ताव पुनः प्राप्त हो गये हैं। इस प्रस्तावों को अनुमोदित करने के लिये पुनः अध्ययन मंडल के समक्ष रखा जा रहा है।

**निर्णय : अध्ययन मंडल ने कुलपति द्वारा सुझाए गये बिंदुओं के आधार पर संशोधित प्रस्तावों का अध्ययन किया और उसे अधिसूचित करने की संस्तुति की।**

**2) सुश्री भारती देवी का शोध अवधि विस्तार के संदर्भ में आवेदन।**

विभाग की शोधार्थी सुश्री भारती देवी का शोध अवधि विस्तार के संबंध में एक आवेदन प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय की अधिसूचना के अनुसार

विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना क्र. 005/2009/वि.प.(22)/2015/254 दिनांक 31.3.2015 के तारतम्य में 14 मार्च, 2015 को आयोजित विद्या–परिषद की 22वीं बैठक की मद संख्या 11 के अंतर्गत अनुमोदित संशोधित पी–एच.डी. अध्यादेश क्रमांक 45/2009 विश्वविद्यालय में वर्तमान में शोधरत समस्त पी–एच.डी. शोधार्थियों पर लागू होगा।

उपर्युक्त अध्यादेश के अनुच्छेद क्रमांक 7.2 के अनुसार शोधप्रबंध जमा करने की अधिकतम अवधि 04 वर्ष होगी जिसे अनुच्छेद क्रमांकः 7.3 के आलोक में अध्ययन–मंडल द्वारा अधिकतम 01 वर्ष (04 वर्ष से आगे)

Scanned with CamScanner

बढ़ायी जा सकेगी तथा अनुच्छेद क्रमांक 10.1 के आलोक में शोधार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा दी जानेवाली फेलोशिप की अधिकतम अवधि 04 वर्ष होगी उक्त अध्यादेश के आलोक में सुश्री भारती का आवेदन विचारार्थ प्रस्तुत।

**निर्णय : सुश्री भारती देवी को 1 वर्ष का अवधि विस्तार दिया गया परंतु विश्वविद्यालय की अधिसूचना के अनुसरण में विस्तारित अवधि की फेलोशिप देय नहीं होगी।**

3) **जे. आर. एफ. एवं एस. आर. एफ. शोधार्थी श्री. पंकज कुमार सिंह एवं मनोज कुमार का शोध अवधि विस्तार संबंधी आवेदन।**

विभाग में शोधरत श्री पंकज कुमार सिंह एवं श्री मनोज कुमार का आवेदन शोध अवधि विस्तार के संबंध में प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय अध्यादेश के अनुसार

विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना क्र. 005/2009/वि.प.(22)/2015/254 दिनांक 31.3.2015 के तारतम्य में 14 मार्च, 2015 को आयोजित विद्या–परिषद की 22वीं बैठक की मद संख्या 11 के अंतर्गत अनुमोदित संशोधित पी–एच.डी. अध्यादेश क्रमांक 45/2009 विश्वविद्यालय में वर्तमान में शोधरत समस्त पी–एच.डी. शोधार्थियों पर लागू होगा।

उपर्युक्त अध्यादेश के अनुच्छेद क्रमांक 7.2 के अनुसार शोधप्रबंध जमा करने की अधिकतम अवधि 04 वर्ष होगी जिसे अनुच्छेद क्रमांकः 7.3 के आलोक में अध्ययन–मंडल द्वारा अधिकतम 01 वर्ष (04 वर्ष से आगे) बढ़ायी जा सकेगी तथा अनुच्छेद क्रमांक 10.1 के आलोक में शोधार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा दी जानेवाली फेलोशिप की अधिकतम अवधि 04 वर्ष होगीउक्त अध्यादेश के अनुसरण में पंकज कुमार सिंह एवं मनोज कुमार का आवेदन विचारार्थ प्रस्तुत।

**निर्णय : श्री पंकज कुमार सिंह एवं श्री मनोज कुमार को 1 वर्ष का अवधि विस्तार दिया गया चुंकि दोनों ही शोधार्थी जे.आर.एफ. शोधवृति प्राप्त हैं इसलिये इनकी शोधवृत्ति यथावत जारी रहेगी।**

विभागाध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद देने के साथ बैठक संपन्न हुई।

| | | |
|---|---|---|
| डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी<br>(विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष) | प्री. पुष्पा मोतियानी 30/7/15<br>(बाह्य विशेषज्ञ) | डॉ. एम. एल. कासारे<br>(बाह्य विशेषज्ञ) |
| डॉ. राकेश मिश्रा<br>(सदस्य) | डॉ. डी. एन. प्रसाद<br>(आमंत्रित सदस्य) | डॉ. चित्रा माली 30.7.15<br>(आमंत्रित सदस्य) |

Scanned with CamScanner

# अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग

## अध्ययन मंडल की बैठक

## कार्यवृत्त

अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के **अध्ययन मंडल की बैठक** दिनांक 23 मार्च, 2015 को पूवाह्न 11.00 बजे **विभागाध्यक्ष कक्ष** में सम्पन्न हुई है जिसमें निम्न बिंदुओं पर निर्णय लिए गए।

**1) सत्र 2015–16 पंजीकृत पी-एच.डी. शोधार्थियों के शोध-विषय की स्वीकृति के संबंध में।**

विगत बैठक में शोधार्थियों के विषय को सैध्दांतिक सहमति पदान की गई थी तथा कतिपय छात्रों को शोध-प्रस्ताव में सुधार के लिये सुझाव भी दिये गये थें। तद्नुरुप पंजीकृत शोधार्थियों का विषय अनंतिम रुप से विचारार्थ एवं अनुमति हेतु प्रस्तुत।

**निर्णय : पंजीकृत शोधार्थियों के विषय को स्वीकृति प्रदान की गई तथा विभाग के प्राध्यापकों के स्थान उपलब्धता के आधार पर उनके निर्देशक आवंटित किये गये।**

**2) सुश्री नेहा का सह निर्देशक नियुक्त करने के संदर्भ में।**

विगत बैठक में सुश्री नेहा नेमा का एक पत्र प्राप्त हुआ था जिसमें सह-शोध निर्देशक की मांग की गई थी। विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक 45/2009 में सह शोध निदेशक संबंधी शर्तों का अध्ययन करने के बाद मंडल ने यह व्यवस्था दी थी कि सुश्री नेहा नेमा उचित माध्यम से पुनः आवेदन करें। तथा उन्हें किसी भी स्थिति में एक ही सह-शोध निर्देशक उपलब्ध कराया जा सकता हैं सुश्री नेहा नेमा का आवेदन उनके शोध-निर्देशक डॉ. डी. एन प्रसाद को अग्रसारण के उपरांत अध्ययन मंडल के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत।

**निर्णय : सुश्री नेहा नेमा को सह निदेशक नियुक्त करने पर सहमति बनी तथा प्रो. आनंद कुमार (जे.एन.यू.) को उनका सहशोध निर्देशक बनाये जाने के लिये स्वीकृति दी गई।**

**3) शोधार्थी ओम जी शर्मा का पंजियन रद्द करने के संदर्भ में।**

सत्र 2014-15 में पंजीकृत शोधार्थी ओम जी शर्मा पंजीयन के बाद से ही विभाग में अनुपस्थित रहे हैं। वे बिना एम.फिल के शोधार्थी हैं और उन्हें नियमानुसार कोर्स वर्क भी करना था, परंतु कोर्स वर्क की अवधि बीत जाने के बाद भी उन्होंने विभाग से कोई संपर्क नहीं किया है। विभाग द्वारा संपर्क करने के बावजूद उनका कोई सकारात्मक जबाब नहीं आया है। इस तरह विभाग में एक स्थान यूँ ही जाया

Scanned with CamScanner

हो रहा है। इस संबंध में शोधार्थी ओम जी शर्मा के पंजियन को रद्द करने का प्रस्ताव विचारार्थ प्रस्तुत।

निर्णय : अध्ययन मंडल ने ओम जी शर्मा की लापरवाही को संज्ञान में लिया और उनका पंजियन रद्द करने की संस्तुति की तथा इस मामले को अकादमिक विभाग को भेजने का निर्णय लिया गया ताकि वे आख्या दें सकें।

4) विभाग का नाम बदलने की सूचना।

विगत दिनों विभागीय शिक्षकों की एक बैठक कुलपति महोदय के साथ सम्पन्न हुई जिसमें नई जरुरतों एवं चुनौतियों के मद्देनजर विभाग का नाम अहिंसा एवं शांति अध्ययन की जगह विकास एवं शांति अध्ययन करने का प्रस्ताव पारित हुआ। साथ ही आगामी सत्र से एम. ए./एम. फिल. अहिंसा एवं शांति अध्ययन के स्थान पर एम. ए./एम. फिल विकास एवं शांति अध्ययन नाम से चलाये जाने का भी प्रस्ताव पारित हुआ। अकादमिक काउंसिल और कार्य परिषद में भी यह प्रस्ताव पारित हो चुका है। अध्ययन मंडल के समक्ष सूचनार्थ सादर प्रस्तुत।

**निर्णय : अध्ययन मंडल ने विभाग के नये नामकरण पर प्रसन्नता जाहिर की और विश्वास व्यक्त किया कि इससे विद्यार्थियों का रुझान इस विषय के प्रति बढ़ेगा।**

**5) अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।**

23.03.15 — 23/3/15

डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी (विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष)

प्रो. पुष्पा मोतियानी (बाहय विशेषज्ञ)

डॉ. एम. एल. कासारे (बाहय विशेषज्ञ)

डॉ. राकेश मिश्र (सदस्य)

डॉ. डी. एन. प्रसाद (आमंत्रित सदस्य)

डॉ. मनोज कुमार राय (आमंत्रित सदस्य)

23.3.15

डॉ. चित्रा माली (आमंत्रित सदस्य)

Scanned with CamScanner

# अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग

## अध्ययन मंडल की बैठक

## कार्यवृत्त

अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन मंडल की बैठक दिनांक 06 फरवरी, 2015 को पूर्वाह्न 11.00 बजे विभागाध्यक्ष कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, डॉ. एम. एल. कसारे (बाह्य विषय विशेषज्ञ), डॉ. राकेश कुमार मिश्र (सदस्य), डॉ. घूपनाथ प्रसाद (विशेष आमंत्रित सदस्य) एवं डॉ. चित्रा माली (विशेष आमंत्रित सदस्य) उपस्थित हुई। बैठक में निम्न बिंदुओं पर निणर्य लिए गए-

1) **सुश्री भारती देवी ब्राह्मण के द्वितीय शोध अवधि विस्तार के संबंध में।**

सुश्री भारती देवी ब्राह्मण से द्वितीय शोध अवधि विस्तार के संबंध में दिनांक 12 जनवरी, 2015 को पत्र प्राप्त हुआ है। इनका पी-एच.डी. में पंजीयन दिनांक 12 जुलाई, 2011 को हुआ है तथा 11 जुलाई, 2014 को शोधकार्य करते हुए तीन वर्ष पूरा हो चुका है। छात्रा को प्रथम शोध अवधि विस्तार 12 जनवरी, 2015 तक दी जा चुकी है। छात्रा डॉ. मनोज कुमार राय के निर्देशन में *'वैकल्पिक विकास की गांधीवादी अवधारणा विशेष संदर्भ: लोहिया, जयप्रकाश नारायण के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन'* विषय पर शोधरत हैं।

अध्ययन मंडल के समक्ष द्वितीय शोध अवधि विस्तार (11 जुलाई, 2015 तक) की अनुमति हेतु विचारार्थ प्रस्तुत।

**निर्णयः द्वितीय शोध अवधि विस्तार (11 जुलाई, 2015 तक) की अनुमति प्रदान की गई।**

2) **श्री पंकज कुमार सिंह के द्वितीय शोध अवधि विस्तार के संबंध में।**

श्री पंकज कुमार सिंह से शोध अवधि विस्तार के संबंध में दिनांक 08 जुलाई, 2014 को पत्र प्राप्त हुआ है। इनका पी-एच.डी. में पंजीयन दिनांक 11 जुलाई, 2011 को हुआ है तथा 10 जुलाई, 2014 को शोधकार्य करते हुए तीन वर्ष पूरा हो चुका है। छात्र को प्रथम शोध अवधि विस्तार 10 जनवरी, 2015 तक दी जा चुकी है। छात्र डॉ. मनोज कुमार राय के निर्देशन में *'खादी का आर्थिक व सामाजिक आयाम: एक अध्ययन'* विषय पर शोधरत हैं।

अध्ययन मंडल के समक्ष द्वितीय शोध अवधि विस्तार (10 जुलाई, 2015 तक) की अनुमति हेतु विचारार्थ प्रस्तुत।

**निर्णयः द्वितीय शोध अवधि विस्तार (10 जुलाई, 2015 तक) की अनुमति प्रदान की गई।**

Scanned with CamScanner

**3) सुश्री नेहा नेमा का सह-शोध निर्देशक नियुक्त करने के संबंध में।**

विभाग में पी-एच.डी. हेतु पंजीकृत शोधार्थी सुश्री नेहा नेमा ने अपने शोध विषय के लिए सह-शोध निर्देशक बनाने के लिये आवेदन किया था। इस संदर्भ में प्रो. आनंद कुमार (जे.एन.यू.) तथा डॉ. धीरेन्द्र पाठक, अध्यक्ष, जनसंचार विभाग (रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर) से स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय अध्यादेश क्रमांक 45/2009 में सह-शोध निर्देशक नियुक्त करने के संबंध में निम्न शर्तें रखी गई है – (SUPERVISOR: 4.1)

A supervisor shall be appointed by the BoS. The supervisor shall be a Professor, Associate Professor, or an Assistant Professor with Ph.D. must have the experience of teaching at Post-Graduate level for at least three years and with minimum 5 (Five) research papers published in refereed /ISSN journals. However, an Assistant/Associate Professor who does not hold Ph.D. degree but has M.Phil and 4 (four) years teaching experience at PG level and without a Ph.D. and M.Phil degree having experience of teaching at PG level for at least 6 (Six) years with at least five research papers published in refereed/ISSN journals or reputed journals, may also be appointed as a supervisor.

**In addition to the Supervisor, the BoS may appoint co-supervisor, if required, from the University or outside, on the recommendation of the supervisor. The proposed co-supervisor must have the eligibility of being a supervisor according to the university ordinance. He must have a specialization in the concerned area proved by published work. A person shall not be a co-supervisor for more than two scholars at a time.**

उक्त के संबंध में अध्ययन मंडल के समक्ष अनुमति हेतु विचारार्थ प्रस्तुत।

**निर्णयः** **अध्ययन मंडल में समूचे प्रकरण का अध्ययन किया गया और पाया कि शोधार्थी के आवेदन में अध्यादेश में उल्लिखित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। शोधार्थी को निर्देश दिया जाता है कि वह अपने शोध-निर्देशक को इस बात के लिये सहमत करें कि उसे सह-शोध निर्देशक की आवश्यकता है। उनकी सहमति के बाद इसे अगले अध्ययन मंडल की बैठक में रखा जाए। किसी भी स्थिति में एक ही सह-शोध निर्देशक मनोनीत किया जा सकता है।**

**4) सत्र 2014-15 में पंजीकृत पी-एच.डी. शोधार्थियों के शोध-विषय की स्वीकृति के संबंध में।**

विभाग में सत्र 2014-15 में पंजीकृत पी-एच.डी. शोधार्थियों के शोध-विषय का निर्धारण किया जाना है। शोध-विषय अध्ययन मंडल के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमति हेतु प्रस्तुत।

**निर्णयः** **कुछ शोधार्थियों के शोध प्रकरण मानकों पर पूर्ण नहीं थे। अतः सभी शोधार्थियों को यह निर्देश दिया गया कि वे अपना अनंतिम प्रारूप मार्च, 2015 में प्रस्तावित बैठक में प्रस्तुत करें।**

09.02.15

| | | |
|---|---|---|
| (नृपेन्द्र प्रसाद मोदी)<br>विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष | (एम. एल. कासारे)<br>बाह्य विषय विशेषज्ञ | 9.2.15<br>(राकेश कुमार मिश्र)<br>सदस्य |
| (घूपनाथ प्रसाद)<br>विशेष आमंत्रित सदस्य | (चित्रा माली)<br>विशेष आमंत्रित सदस्य | |

Scanned with CamScanner